NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 205 लखनऊ, शुक्रवार 08 मार्च 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

पीएम मोदी ने समझाया कश्मीर से कमल और क्रिकेट का कनेक्शन, क्या घाटी में बढ़ेगा BJP का ग्राफ ?

एजेंसी।
नई दिल्ली मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यहां की झीलों में जगह–जगह कमल देखने को मिलते हैं। 50 साल पहले बने जम्मू कश्मीर क्रिकेट एशोसिएशन के लोगो में भी कमल है। ये सुखद संयोग है या कुदरत का कोई इशारा कि भाजपा का चिन्ह भी कमल है और कमल के साथ तो जम्मू कश्मीर का गहरा नाता है। खचाखच भरे स्टेडियम और मोदी–मोदी के नारों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज जम्मू कश्मीर के श्रीनगर के बख्शी मैदान में एक बड़े रैली को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कश्मीर से कमल और क्रिकेट का कनेक्शन भी बतला दिया। साफ तौर पर मोदी ने यह दावा कर दिया कि कमल का कनेक्शन कश्मीर से बहुत पुराना है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने अपनी बातों–बातों में कश्मीर के लोगों से इस बात का आह्वान

कर दिया कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें कमल के फूल को ही वोट देना चाहिए। भाजपा जम्मू में तो अच्छा प्रदर्शन करती हैं लेकिन कश्मीर में आज भी वह संघर्ष करती हुई दिखाई दे जाती है। ऐसे में मोदी को उम्मीद है कि जम्मू कश्मीर में किया जा रहे विकास कार्यों के बाद भाजपा को राज्य में बढ़त मिलेगी। मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि यहां की झीलों में जगह–जगह कमल देखने को मिलते हैं। 50 साल पहले बने जम्मू कश्मीर क्रिकेट एशोसिएशन के लोगो में भी कमल है। ये सुखद संयोग है या कुदरत का कोई इशारा कि भाजपा का चिन्ह भी कमल है और कमल के साथ तो जम्मू कश्मीर का गहरा नाता है। उन्होंने कहा कि जब इरादे नेक हों, संकल्प को सिद्ध करने का जज्बा हो तो फिर नतीजे भी मिलते हैं। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे यहां जम्मू कश्मीर में ळ20 का शानदार आयोजन हुआ। आज यहां जम्मू कश्मीर में पर्यटन के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। अकेले 2023 में ही 2 करोड़ से ज्यादा पर्यटक यहां आए हैं। भाजपा को उम्मीद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में शामिल हुए भीड़ को देखकर भाजपा उत्साहित नजर आ रही है। भाजपा को उम्मीद है कि अब घाटी में भी उसकी पकड़ मजबूत हुई है। यह कहीं ना कहीं पार्टी के लिए सुखद संकेत है। लेकिन सवाल अभी भी बरकरार है कि क्या यह भीड़ वोटो में तब्दील होगी? 2019 में भाजपा ने उधमपुर और जम्मू लोकसभा सीट पर जीत हासिल की थी। लेकिन बारामुला, श्रीनगर और अनंतनाग में उसे कामयाबी नहीं मिल पाई थी। ऐसे में इस बार के लोकसभा चुनाव में कुछ अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। ताजा अनुमान इंडिया टीवी–सीएनएक्स ने कई मुद्दों पर जम्मू–कश्मीर में लोगों के मूड को जानने के लिए एक जनमत सर्वेक्षण आयोजित किया, चाहे वह धारा 370 को खत्म करना हो, क्या इससे क्षेत्र को मदद मिली या नहीं, या क्या अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से अन्य मुद्दों के साथ–साथ आतंकवाद पर भी अंकुश लगा। यह जनमत सर्वेक्षण कुछ ही हफ्तों में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले आयोजित किया गया है। इंडिया टीवी–सीएनएक्स ओपिनियन पोल के अनुसार, 41 फीसदी लोगों ने जवाब दिया कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने से जम्मू–कश्मीर को बहुत मदद मिली, 29 फीसदी ने कहा कि इससे क्षेत्र को मामूली मदद मिली, 23 फीसदी ने माना कि इससे कोई मदद नहीं मिली, जबकि 7 फीसदी ने कहा कोई राय नहीं थी। इंडिया टीवी–सीएनएक्स सर्वेक्षण के अनुसार, 73 प्रतिशत लोगों का मानना घ्घ्घ्है कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने से क्षेत्र में आतंकवाद को रोकने में मदद मिली, 20 प्रतिशत ने कहा कि इससे कोई मदद नहीं मिली, जबकि 7 प्रतिशत लोग निश्चित नहीं थे कि इससे मदद मिली या नहीं।

9 हजार से अधिक कुशल श्रमिक जाएंगे इजरायल, द्वितीय चरण में 4121 का हुआ चयन

संवाददाता।
लखनऊ यूपी के कुशल कामगारों व श्रमिकों को विदेशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। प्रथम चरण में 5087 समेत कुल 9208 कुशल श्रमिकों को अंतिम रूप से चुना गया है। योगी सरकार प्रदेश के कुशल कामगारों व श्रमिकों को विदेशों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। इजरायल में नवनिर्माण कार्य के लिए प्रदेश के श्रमिकों को चयनित कर भेजा जा रहा है। प्रथम चरण में 5087 तथा दूसरे चरण में 4121 श्रमिकों को इजरायल में सेवायोजित किए जाने हेतु चयनित किया गया है। इस तरह कुल 9208 कुशल श्रमिक इजराइल में 01 लाख 37 हजार प्रतिमाह वेतन पर सेवायोजित किए जाएंगे। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा हर हाथ को काम दिलाने के तहत भारत सरकार एवं इजरायल सरकार के बीच एमओयू किया गया है जिसके अंतर्गत व्यवसाय मेसन प्लास्टरिंग वर्क, मेसन सेरेमिक टाइलिंग, मेसन बिल्डिंग फ्रेमवर्क तथा मेसन आयरन वेन्डिंग के क्षेत्र में इजराइल में भारतीय श्रमिको को सेवायोजित करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। 28 फरवरी, 2024 से 07 मार्च, 2024 तक राजकीय आईटीआई अलीगंज, लखनऊ में कुशल श्रमिकों के द्वितीय चरण का स्किल टेस्ट इजरायल की टीम के द्वारा लिया गया, जिसमें 4121 कुशल श्रमिकों को चयनित किया गया है। इस प्रकार कुल 9208 कुशल श्रमिकों को इजराइल की टीम के द्वारा चयनित किया गया है।इजरायल की टीम ने की प्रशंसा कुशल श्रमिकों के स्किल टेस्ट का निरीक्षण विशेष सचिव श्रम एवं निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन कुणाल सिल्कू के द्वारा समय–समय पर किया गया तथा उनके द्वारा प्रधानाचार्य, राज कुमार यादव एवं उनकी टीम की प्रशंसा की गई है। निदेशक के मार्गदर्शन में एनएसडीसी के सहयोग से इजराइल की

पाक समर्थित नारे का विवाद, 22 सेवानिवृत्त अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लिखा पत्र

नई दिल्ली
राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत के बाद श्पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।22 सेवानिवृत्त सिविल सेवा अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर उनसे नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्य सैयद नसीर हुसैन को शपथ न दिलाने का आग्रह किया है।22 सेवानिवृत्त सिविल सेवा अधिकारियों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पत्र लिखकर उनसे नवनिर्वाचित राज्यसभा

सदस्य सैयद नसीर हुसैन को शपथ न दिलाने का आग्रह किया है, क्योंकि उन पर पाकिस्तान समर्थक नारों का विरोध नहीं करने का आरोप है। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति अशिष्ट व्यवहार प्रदर्शित किया। इससे पिछले हफ्ते राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार की जीत के बाद श्पाकिस्तान जिंदाबादश के नारे लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान दिल्ली के इल्तहाज, बेंगलुरु के आरटी नगर के मुनावर और हावेरी के बयादागी के मोहम्मद शफी के रूप में की गई। हालाँकि, कांग्रेस ने इन दावों को खारिज कर दिया और कहा कि उसके कार्यकर्ता केवल हुसैन के समर्थन में श्नासिर साहब जिंदाबादश के नारे लगा रहे थे। सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली सरकार ने आरोपों की पुष्टि के लिए सरकार द्वारा संचालित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला द्वारा जांच का आदेश दिया है। भाजपा ने कांग्रेस पर 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाते हुए कुछ तस्वीरें साझा की और दावा किया कि इनमें राहुल गांधी सहित विपक्षी दल के वरिष्ठ नेताओं के साथ कर्नाटक विधानसभा परिसर में कथित तौर पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के मामले में गिरफ्तार व्यक्ति भी मौजूद है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस शासित राज्य में हुई 27 फरवरी की घटना को लेकर ताजा हमला बोला और कहा कि यह कन्नड़ लोगों और हर भारतीय का अपमान है।

हिमंत बिस्वा सरमा की भविष्यवाणी, पूर्वोत्तर की 25 में से 22 सीटें जीतेगा भाजपा गठबंधन

एजेंसी। नई दिल्ली भगवा पार्टी ने अकेले 14 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगियों ने चार सीटें और जोड़ दीं, जिससे पूर्वोत्तर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का प्रभुत्व स्थापित हो गया। गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा, ष्बीजेपी को विशेष रूप से असम में 11 सीटें मिलने की उम्मीद है। जैसे–जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, प्रमुख हस्तियों की भविष्यवाणियों और दावों से असम का राजनीतिक परिदृश्य गर्म होता जा रहा है। पूर्वोत्तर में भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दावा किया है कि भाजपा और उसके सहयोगी क्षेत्र की 25 में से

कम से कम 22 सीटें जीतेंगे। सरमा की भविष्यवाणी 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के शानदार प्रदर्शन पर आधारित है। उस समय, भाजपा और उसके गठबंधन सहयोगियों ने इस क्षेत्र में अपना परचम लहराया और 25 लोकसभा क्षेत्रों में से कुल 18 सीटें हासिल कीं। भगवा पार्टी ने अकेले 14 सीटें जीतीं, जबकि उसके सहयोगियों ने चार सीटें और जोड़ दीं, जिससे पूर्वोत्तर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का प्रभुत्व स्थापित हो गया। गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सरमा ने कहा, ष्बीजेपी को विशेष रूप से असम में 11 सीटें मिलने की उम्मीद है।ष मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ने तीन सीटें छोड़ दी हैं, जो रणनीतिक बदलाव या कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के सामने आने वाली संभावित चुनौतियों का संकेत है। इस रियायत के बावजूद, सरमा अपने विश्वास पर कायम हैं कि भाजपा असम और पूर्वोत्तर में अधिकांश सीटों पर विजयी होगी।

प्रेस की स्वतंत्रता पर राजनाथ सिंह ने दिया जोर, बोले– आपातकाल की खेदजनक अवधि को छोड़कर...

एजेंसी
नई दिल्ली रक्षा मंत्री ने कहा ऐसे लोग ये बात भूल जाते हैं, कि भारत की संस्कृति के ध्वजवाहक प्रभु श्री राम हैं, जो नैतिकता और आध्यात्मिकता के प्रतीक तो हैं ही, लेकिन साथ ही साथ भगवान राम का साम्राज्य भी "अ–योध्य" है, उनका बाण भी रामबाण है, जो अमोघ है। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एक कार्यक्रम के दौरान भारत के लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर प्रेस की स्वतंत्रता के मौलिक महत्व पर जोर दिया। देश के इतिहास पर विचार करते हुए उन्होंने टिप्पणी की कि आपातकाल की खेदजनक अवधि को छोड़कर, प्रेस पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। रक्षा मंत्री ने एनडीटीवी डिफेंस समिट में अपने संबोधन में कहा, ष्मीडिया को लोकतंत्र के चौथे

स्तंभ के रूप में जाना जाता है।ष उन्होंने कहा कि यह सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करता है। रक्षा मंत्री ने कहा ऐसे लोग ये बात भूल जाते हैं, कि भारत की संस्कृति के ध्वजवाहक प्रभु श्री राम हैं, जो नैतिकता और आध्यात्मिकता के प्रतीक तो हैं ही, लेकिन साथ ही साथ भगवान राम का साम्राज्य भी "अ–योध्य" है, उनका बाण भी रामबाण है, जो अमोघ है। भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम तो हैं ही, लेकिन इसके साथ ही वो इस धरती पर अधर्म के नाशक भी हैं। वो शस्त्र और शास्त्र ज्ञान, दोनों के धारक हैं। इसलिए भगवान राम के विस्तार के रूप में, भारतीय संस्कृति को आप देखें, तो आपको भारत की सैन्य शक्ति और हमारी आध्यात्मिकता के बीच में कोई विरोधाभास नहीं, बल्कि पूर्ण तारतम्य दिखता है। जब आप भारत को भारत के नजरिए से देखेंगे, अपनी सेना को भारतीय नजर से देखेंगे, तो हर नागरिक को अपने देश की सेना पर गर्व होता है, क्योंकि सेना उस नागरिक की सुरक्षा के लिए होती है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज न सिर्फ भारतीय रक्षा व्यवस्था मजबूत है, बल्कि भारत भी मजबूती के साथ वैश्विक पटल पर उभर रहा है। और वह दिन दूर नहीं जब भारत न सिर्फ विकसित राष्ट्र के रूप में सामने आएगा, बल्कि हमारी सैन्य शक्ति दुनिया की सर्वोच्च सैन्य शक्ति बनकर उभरेगी। उन्होंने कहा कि भारत की रक्षा व्यवस्था इसलिए मजबूत हुई, क्योंकि हमने रक्षा व्यवस्था के साथ–साथ भारतीयता पर भी फोकस किया। हमने रक्षा व्यवस्था को न सिर्फ मजबूत किया, बल्कि उसे भारतीयों की दृष्टि के अनुसार मजबूत किया।

घोसी सीट से भाजपा प्रत्याशी का ऐलान, ओपी राजभर के बेटे अरविंद को मिला टिकट

संवाददाता।
घोषी 2019 के लोकसभा चुनाव में घोसी सीट पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद अतुल कुमार सिंह ने जीत हासिल की थी। अतुल सिंह ने लगभग 57: वोट शेयर हासिल करते हुए भाजपा के हरिनारायण को 122,568 वोटों के अंतर से हराया। बसपा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए ओपी राजभर की पार्टी ने अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। एनडीए के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) ने अरविंद राजभर को घोसी लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए नामांकित किया है। अरविंद राजभर पार्टी प्रमुख ओपी राजभर के बेटे हैं। अरविंद राजभर को भाजपा, उनकी पार्टी (सोनेलाल) और निषाद पार्टी से समर्थन मिला है। ये सभी पार्टियां आगामी चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार के लिए प्रचार भी करेंगी। 2019 के लोकसभा चुनाव में घोसी सीट पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सांसद अतुल कुमार सिंह ने जीत हासिल की थी। अतुल सिंह ने लगभग 57: वोट शेयर हासिल करते हुए भाजपा के हरिनारायण को 122,568 वोटों के अंतर से हराया। बसपा ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। घोसी लोकसभा सीट मऊ जिले में स्थित है। घोसी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में समाजवादी पार्टी के सुधाकर सिंह ने बीजेपी के दारा सिंह चौहान को हराकर अहम जीत हासिल की। ओपी राजभर भी चुनाव के दौरान दारा के प्रचार में शामिल थे। अन्य बीजेपी नेताओं की तरह ओपी राजभर ने भी समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस पर वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। अपने बेटे को उम्मीदवार के रूप में खड़ा करके, राजभर खुद को विपक्षी नेताओं की आलोचना का शिकार बना सकते हैं।

अगर अमेठी गांधी परिवार का गढ़ है तो उम्मीदवार घोषित करने में देरी क्यों, स्मृति ईरानी का कांग्रेस पर तंज

संवाददाता।
अमेंठी राहुल पर वार करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि अगर वह दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह चुनाव से पहले ही अमेठी से अपनी हार की घोषणा कर रहे हैं। मैंने कहा था कि अगर उनके नेता में हिम्मत है तो मायावती, अखिलेश यादव के बिना अकेले अमेठी से चुनाव लड़ें।केंद्रीय मंत्री और अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने गुरुवार को निर्वाचन क्षेत्र से अपने उम्मीदवार की घोषणा में ष्देरीष के लिए कांग्रेस का मजाक उड़ाया और कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें अमेठी की ताकत का एहसास हो गया है और हार का डर उस पार्टी को सता रहा है। राहुल गांधी, जिनके लोकसभा चुनाव में अमेठी से लड़ने की उम्मीद है, 2019 का चुनाव भाजपा की ईरानी से हार गए थे। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के दो सीटों पर लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलों पर बीजेपी सांसद ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि अमेठी गांधी परिवार का गढ़ है, उन्हें उम्मीदवार घोषित करने में इतना समय क्यों लग रहा है? उनके आत्मविश्वास की कमी आपको बताती है कि अमेठी अब कांग्रेस का गढ़ नहीं है। राहुल पर वार करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि अगर वह दो सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं तो इसका मतलब है कि वह चुनाव से पहले ही अमेठी से अपनी हार की घोषणा कर रहे हैं। मैंने कहा था कि अगर उनके नेता में हिम्मत है तो मायावती, अखिलेश यादव के बिना अकेले अमेठी से चुनाव लड़ें।श सच्चाई सामने आ जायेगी। पिछले लोकसभा चुनाव 2019 में राहुल

गांधी को हराने के बाद स्मृति ईरानी को भाजपा ने फिर से अमेठी से अपना उम्मीदवार बनाया है। राहुल गांधी की हार कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका थी क्योंकि 1967 से अमेठी पार्टी का गढ़ रहा है। स्मृति ईरानी से हारने से पहले राहुल गांधी ने 2004 से लगातार तीन बार यह सीट जीती थी। संसदीय सीट पर केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी तब आई जब यूपी कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि राहुल गांधी वहां से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग भी प्रियंका गांधी को रायबरेली से चुनाव लड़ाने की मांग कर रहे है। राय ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की मांगें भी लोगों की इच्छाओं से मेल खाती हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने भी बुधवार को दावा किया कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेंगे और इसकी घोषणा जल्द ही की जाएगी।

दुष्कर्म पीड़िता किशोरियों के पिता की आत्महत्या के बाद एसपी ने की कार्रवाई, थाना प्रभारी हटाए गए

हमीरपुर
दुष्कर्म पीड़िता किशोरियों की आत्महत्या के बाद पिता द्वारा आत्महत्या करने के मामले में एसपी ने लापरवाही बरतने पर थाना प्रभारी संजय सिंह को हटा दिया है। घाटमपुर थानाक्षेत्र के बरौली स्थित ईंट भट्ठे में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता किशोरियों की आत्महत्या के बाद एक के पिता के आत्महत्या करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बेटे की तहरीर पर आरोपी ठेकेदार की पत्नी व बेटी के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने व धमकी का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। सिसोलर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी परिवार कानपुर जनपद के घाटमपुर क्षेत्र के बरौली स्थित एक ईंट भट्ठा में मजदूरी करता था। बीते माह भट्ठे पर ठेकेदार रामस्वरूप उसके बेटे रज्जू व भांजा संजू ने दो नाबालिग चचेरी बहनों को शराब पिलाने के बाद उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म कर वीडियो और फोटो बना लिए। आहत किशोरियों ने 29 फरवरी को ईंट भट्ठे के निकट एक पेड़ पर एक साथ फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। एक किशोरी के पिता की तहरीर पर घाटमपुर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया।

पत्नी से घरेलू काम करने की अपेक्षा करना क्रूरता नहीं, जानिए दिल्ली हाईकोर्ट ने किस मामले दी ये टिप्पणी

एजेंसी।
दिल्ली अदालत की ये टिप्पणियाँ एक व्यक्ति द्वारा उसकी पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर उसकी शादी को खत्म करने से इनकार करने के पारिवारिक अदालत के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते समय आईं। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि पति को अपने परिवार से अलग रहने के लिए कहना उसकी पत्नी द्वारा क्रूरता के समान है। अदालत ने यह भी कहा कि विवाह में भावी जीवन की जिम्मेदारियों को साझा करने का इरादा होता है और पति द्वारा अपनी पत्नी से घरेलू काम करने की अपेक्षा करना क्रूरता नहीं कहा जा सकता है। इसमें कहा गया है कि एक विवाहित महिला को घरेलू काम करने के लिए कहने को मदद के काम के बराबर नहीं माना जा सकता क्योंकि इसे उसके परिवार के प्रति उसके प्यार और स्नेह के रूप में गिना जाएगा। अदालत की ये टिप्पणियाँ एक व्यक्ति द्वारा उसकी पत्नी द्वारा क्रूरता के आधार पर उसकी शादी को खत्म करने से इनकार करने के पारिवारिक अदालत के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई करते समय आईं। अपीलकर्ता पति, जो कि एक सीआईएसएफ सदस्य है, ने कहा कि वह प्रतिवादी पत्नी के घर के कामों में योगदान न देने, वैवाहिक घर छोड़ने और उसके कहने पर आपराधिक मामलों में झूठे फंसाने से व्यथित था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रतिवादी और उसके परिवार ने इस बात पर जोर दिया कि वह अपने परिवार से अलग रहें। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक बेटे का अपने वृद्ध माता–पिता की देखभाल करना नैतिक और कानूनी दायित्व है, जिनके पास आय का कोई स्रोत नहीं है या नगण्य है, और हिंदू बेटे के लिए अपने परिवार से अलग होना वांछनीय संस्कृति नहीं है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 08 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

69 हजार शिक्षक भर्ती मसले पर एनडीए घटक दल की बैठक में मजबूती के साथ उठाया– अनुप्रिया पटेल

लखनऊ (आरएनएस)। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि गुरुवार को कहा कि अपना दल एस ने अपने काम से कीर्ति अर्जित की है। हम अपने गठबंधन के पाले रोज–रोज नहीं बदलते हैं। हम अपनी विचारधारा के साथ निरंतर कायम रहने वाले लोग हैं, इसलिए हमारे दबे कुचले लोगों के हितों से जुड़ा कोई भी मसला आया है तो इस 10 साल में हमने विधानसभा से लेकर संसद तक उठाने का काम किया है।उन्होंने कहा कि बहुत मसलों का समाधान हुआ है। एक ज्वलंत मसला है 69000 शिक्षक भर्ती। इसके लिए भी हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में हुई एनडीए घटक दल की बैठक में न्यायपूर्ण कार्रवाई के लिए हमने अपना पक्ष स्पष्ट तौर पर रखा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी बात को सुना गया है और उसका निदान हुआ है। उम्मीद है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी इसका हल निकालेंगे। इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल गुरुवार को पार्टी के कैंप कार्यालय पर आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारियों एवं पूरे प्रदेश से पहुंचे पार्टी के क्षेत्रीय पदाधिकारियों व जिलाध्यक्षों को संबोधित कर रहीं थीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि अब घर बैठने का समय नहीं है। लोकसभा चुनाव में अपना दल (एस) का स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहा है और इस बार भी यह स्ट्राइक रेट 100 फीसदी रहेगा। 2024 में हमारा दायित्व ये है कि अपने स्टाइक रेट को बुलंदी पर बनाए रखना है। कहा कि मुझे कार्यकर्ताओं पर पूरा भरोसा है। होने जा रहे लोकसभा चुनाव में भी यह कायम रहेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि एनडीए गठबंधन ने पीएम मोदी की हैट्रिक लगाने का फैसला किया है। इसके साथ ही हमें 400 पार जाने के लिए यूपी की 80 की 80 सीटें जीतना है। इसलिए हमें अपना दल (एस) के साथ साथ एनडीए का स्ट्राइक रेट भी 100 फीसदी रखना है। कहा कि इस बार एनडीए का कुनबा बढ़ा है। इसमें निषाद पार्टी, सुभासपा, रालोद और भाजपा सबसे बड़े सहयोगी के तौर पर हैं। इसलिए हमारा सभी कार्यकर्ताओं से आग्रह है कि प्रदेश की सभी 80 की 80 सीटों पर हमारा एक–एक कार्यकर्ता एनडीए घटक दल के उम्मीदवार की जीत के लिए हमें 100 फीसदी निष्ठा के साथ साथ देना है।

ये कोशिश करनी है कि अपना दल एस के साथ एनडीए का भी स्ट्राइक रेट 100 फीसदी होना चाहिए। इसलिए किसी भी सहयोगी के उम्मीदवार के साथ पूरी ईमानदारी के साथ काम करेंगे और एनडीए के परचम को लहराने के लिए हमें 24 घंटे काम करना है। एक भी मौका नहीं गंवाना है, एक भी क्षण हमें नहीं गवाना है।

एअर क्वालिटी मैनेजमेंट इन द इन्डो–गैंगेटिक प्लान पर कार्यशाला का आयोजन

वन मंत्री श्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने किया कार्यशाला का शुभारंभ

लखनऊ(आरएनएस)। वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए एयरशेड एपरोच द्वारा एअर क्वालिटी मैनेजमेंट इन द इन्डो–गैंगेटिक प्लान पर होलट हॉलीडे इन में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने किया।

इस अवसर पर डा0 सक्सेना ने कहा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार, उत्तर प्रदेश राज्य और विश्व बैंक के सहयोग से सिन्धु गंगा के मैदान में वायु गुणवत्ता प्रबंधन' हेतु कार्यशाला का आयोजन एक सराहनीय पहल है। इस कार्यशाला के माध्यम से रणनीति विकसित करने और आईजीपी में वायु गुणवत्ता प्रबंधन पहल के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न राज्यों, विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के बीच चर्चा की सुविधा होगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने यूपी के 17 दवद–ंजजंपदउमदज बपजपमे बपजपमे के लिए सिटी एक्शन प्लान को मंजूरी दे दी है। राज्य ने वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लागत अनुमान और समयसीमा पर अधिक विवरण के साथ कार्य योजनाएं भी तैयार की हैं, जिसे केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एक अच्छा प्रयास माना गया है। वर्ष 2022 में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण पहल के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के नौ शहरों को वायु गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए चुना गया था, जिनमें से पांच को वायु गुणवत्ता को सुधारने में उनके द्वारा किए गये प्रयासों को मान्यता दी गई थी। इंडो गैंगेटिक प्लेन (आईजीपी) क्षेत्र, आठ भारतीय राज्यों बिहार, हरियाणा, झारखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़ और दिल्ली के साथ–साथ नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों और पूरे बांग्लादेश में फैला हुआ है। यह क्षेत्र उत्सृजन स्त्रोतों एवं मौसमी कारणों से अत्यधिक वायु प्रदूषण संकट का सामना करता है, जो इसे विश्व स्तर पर सबसे गंभीर प्रदूषित क्षेत्रों में से एक बनाता है। वायु प्रदूषण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जो आईजीपी क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ जाता है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों जैसी कमजोर वर्ग, तथा सामाजिक–आर्थिक रूप से वंचित आबादी, जिसमें लाखों गरीब परिवार भी शामिल हैं, को अपने स्वास्थ्य के लिए जोखिम का सामना करना पड़ता है। विभिन्न क्षेत्र वायु प्रदूषण में अलग–अलग रूप से प्रभावित करते हैं, जिनमें औद्योगिक उत्सर्जन, परिवहन, कृषि पद्धतियाँ, घरेलू खाना पकाने और हीटिंग, निर्माणजनित धूल, कोयला एवं अन्य जीवाश्म ईंधन द्वारा बिजली उत्पादन और अपशिष्ट प्रबंधन शामिल हैं। चुनौती इस तथ्य से और भी बढ़ गई है कि आईजीपी के भीतर अलग–अलग राज्य अकेले वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं कर सकते हैं। कई मामलों में, पड़ोसी राज्यों और यहां तक कि अन्य देशों से वायु प्रदूषण का योगदान घरेलू स्रोतों से अधिक है। औसतन, आईजीपी राज्यों के भीतर वायु प्रदूषण साद्रता का लगभग आधा हिस्सा पड़ोसी राज्यों या विदेशी स्रोतों से उत्पन्न होता है। कार्यशाला में पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, बिहार, झारखण्ड एवं पश्चिम बंगाल के पर्यावरण विभागों के अपर मुख्य सचिव प्रमुख सचिव को आमत्रित किया गया। कार्यशाला में विश्व बैंक क्लीन एयर फण्ड, दक्षिण एशिया केएफडब्ल्यू डेवलपमेंट बैंक, स्वीट्जरलैण्ड दूतावास, कॉमनवेल्थ ऑफिस एवं विभिन्न राष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में श्री मनोज सिंह, अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन एव
जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश, ने कार्याशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सुश्री सिसेल फूमैन, निदेशक, रिजनल इंटीग्रेशन एण्ड इंगेजमेंट इन साउथ एशिया रीजन, विश्व बैंक ने वीडियो संदेश द्वारा सभी राज्यों एवं संस्थाओं के आमंत्रित प्रतिभागियों द्वारा वायु प्रदूषण निवारण के लिए वित्तीय सहायतित योजनाओं के विषय में बत्ताया।

स्वदेश दर्शन योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 29 करोड़ रूपये की दो परियोजनाओं की सौगात दी

पर्यटन मंत्री ने प्रदेश के नैमिषारण्य तथा प्रयागराज की परियोजनाओं को चयनित करके अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने के लिये आभार जताया

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना द्वितीय के अन्तर्गत प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल सीतापुर स्थित नैमिषारण्य एवं प्रयागराज की लगभग 29 करोड़ रूपये की दो परियोजनाओं का शिलान्यास किये जाने पर आभार व्यक्त करते हुये कहा कि दोनों पर्यटनों स्थलों को स्वदेश दर्शन योजना में शामिल किये जाने से प्रदेश के पर्यटन को नयी उड़ान मिलेगी। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश को पर्यटन का हब बनाने के लिये इन दोनों परियोनजाओं की सौगात दी है। उन्होने कहा कि नैमिषारण्य की परियोजना की लागत लगभग 15.95 करोड रुपये तथा प्रयागराज की परियोजना की लागत 13.02 करोड़ रूपये है। उन्होने कहा कि इन परियोनजाओं के धरातल पर उतरने से प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही रोजगार के नये अवसर तथा होटल, रेस्टोरेन्ट, टूर ऑपरेटर आदि के कारोबार बढ़ेगे।

पर्यटन मंत्री आज पर्यटन मीटिंग हॉल, सत्संग भवन, रेलवे स्टेशन रोड, नीमसार सीतापुर में प्रधानमंत्री द्वारा श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर से एक केन्द्रीकृत वर्चुअल समारोह के माध्यम से इन परियोजनाओं के शुभारम्भ एवं लोकार्पण के अवसर पर उपस्थित थे। उन्होंने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुये कहा कि पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रदेश के विशाल आकार तथा सांस्कृतिक विरासत एवं पर्यटन की असीम सम्भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुये प्रधानमंत्री जी ने प्रयागराज एवं नैमीषारण्य को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने के लिये स्वदेश दर्शन स्कीम द्वितीय के तहत चयनित किया है। जयवीर सिंह ने कहा कि समेकित पर्यटन विकास हेतु पहले चरण में प्रयागराज के आजाद पार्क एवं देखों प्रयागराज ट्रेल एक्सपीरियन्स योजना के अन्तर्गत टूरिस्ट इन्फारमेशन सेन्टर, आजाद मेमोरियल प्लाजा का उच्चीकरण, विक्टोरिया मेमोरिया लैण्ड स्केप का उच्चीकरण, कल्प वृक्ष लैण्डस्केप का उच्चीकरण, एडवेन्चर पार्क, सी0सी0टी0वी0, ट्रैवलर्स नूक, गेट अपग्रेडेशन, देखो प्रयागराज वर्ल्ड आर्ट, मिनी बस, पार्किंग एवं टॉयलेट आदि कार्यों हेतु रू0 13.02 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। उन्होने ने कहा कि नैमिषारण्य में वैदिक वेलनेस एक्सपीरियन्स योजना के अन्तर्गत गोमती नदी में जेट्टी एवं बोट्स, ध्वनि एवं प्रकाश शो समेत अन्य कार्यों के लिए लगभग 15.95 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि केंद्र व प्रदेश में हमारी सरकार आने के बाद अपनी परंपरा, संनातन संस्कृति में चार चांद लगाने का काम हुआ है। उत्तर प्रदेश जहां भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ और भगवान शिव के त्रिशूल पर बसी काशी है। गोरखपुर में जहां बाबा गोरखनाथ धाम है, तपोस्थली नैमिषारण्य तीर्थ स्थल है, विंध्यवासिनी धाम जैसे अनेक धार्मिक और आध्यात्मिक स्थल हैं। यहां धार्मिक पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य किया जा रहा है। आज डबल इंजन की सरकार में उत्तर प्रदेश में पर्यटन बहुत तेजी से विकास कर रहा है। आज उत्तर प्रदेश हिंदुस्तान का ग्रोथ इंजन बना हुआ है।जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। नैमिषारण्य के नियोजित विकास हेतु नैमिष तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है। नैमिषारण्य के विकास में धन की कोई कमी आने नही दी जाएगी। नैमिषारण्य के नियोजित विकास के लिए नैमिषारण्य तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है। नैमिषारण्य भव्य, दिव्य और अलौकिक बनेगा। उन्होंने कहा कि बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए नैमिषारण्य से लखनऊ, अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, चित्रकूट आदि स्थलों के लिए हेलीकाप्टर की सुविधा शीघ्र प्रारंभ की जाएगी।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में सुकन्या समृद्धि योजना पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ(आरएनएस)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दिनाँक 7 मार्च को भारतीय समाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली एवं शिक्षा शास्त्र विभाग बीबीएयू के संयुक्त तत्वाधान में ष्उत्तर प्रदेश में सुकन्या समृद्धि योजना का समाजिक आर्थिक प्रभावष् विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला शिक्षा विभाग के डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी को मिली शोध परियोजना के अन्तर्गत शोध परिणामों को लेकर आयोजित की गई थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो० एस० विक्टर बाबू ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ० शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय के प्रो० आर. के. सिन्हा उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त मंच पर शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो० हरिशंकर सिंह , अर्थशास्त्र विभाग के प्रो० सनातन नायक एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी मौजूद रहे। डीन ऑफ अकेडमिक अफेयर्स प्रो० एस० विक्टर बाबू ने सभी से सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों पर चर्चा की एवं डॉ० शकुन्तला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय के डॉ० आर. के. सिन्हा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि इस तरह के शोध कार्य समाज में सरकार की योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। दीर्घकालीन शोध इस योजना के प्रभाव के लिए आवश्यक है। अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ० विवेक नाथ त्रिपाठी ने किया। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की डॉ० राजश्री पांडे ने सुकन्या समृद्धि योजना को समाज में बचत को बढ़ावा देने का साधन बताया। इस सत्र में हित धारकों से सुझाव भी प्राप्त किये गये एवं इस योजना की कार्यप्रणाली पर चर्चा की गई। द्वितीय सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापन का कार्य डॉ० शिखा तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न शिक्षकगण, सुकन्या समृद्धि योजना के हितधारक एवं विश्वविद्यालय के अन्य विद्यार्थी मौजूद रहे।

पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने उ0प्र0 के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी– मुख्यमंत्री

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री तथा भारत के पूर्व गृह मंत्री भारत रत्न पं0 गोविन्द बल्लभ पंत की पुण्य तिथि पर आज यहां लोक भवन स्थित उनकी प्रतिमा के सम्मुख चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री तथा देश के पूर्व गृहमंत्री श्रद्धेय गोविन्द बल्लभ पंत जी की आज पावन पुण्यतिथि है। पंत जी ने गांधी जी द्वारा देश की आजादी के लिए समय–समय पर चलाए गए आन्दोलनों में अग्रणी भूमिका का निर्वहन किया। स्वतंत्र भारत में और देश के प्रथम चुनाव के उपरान्त उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने प्रदेश के विकास की आधारशिला रखी। इसके पूर्व भी उन्होंने वर्ष 1937 में संयुक्त प्रांत के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदेशवासियों को प्रदान करते हुए आजादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका को बनाए रखा। पं0 गोविंद बल्लभ पंत जी को देश के गृहमंत्री पद का दायित्व दिया गया था। उन्होंने वर्ष 1955 से 1961 तक देश के गृहमंत्री के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कीं। उन्होंने राजभाषा हिंदी को सम्मान दिलाने का कार्य किया। देश के प्रति पं0 गोविन्द बल्लभ पंत जी की सेवाओं के लिए वर्ष 1957 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। पं0 गोविन्द बल्लभ पंत ने भारत की संविधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। 07 मार्च, 1961 को उनका भौतिक देहावसान हुआ। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व श्री ब्रजेश पाठक, विधान परिषद सदस्य भूपेन्द्र सिंह, लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री, गृह व सूचना संजय प्रसाद, निदेशक सूचना शिशिर सहित शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

योगी सरकार को पीड़ित महिलाओं के दुःख दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता –नीलम यादव'

लखनऊ(आरएनएस)। कानपुर में दो नाबालिक बहनों के साथ हुए गैंगरेप,फांसी के बाद गुरुवार को बच्चियों के पिता को न्याय न मिलने की आस में आत्महत्या कर लिए जाने पर आम आदमी पार्टी ने योगी सरकार को आड़े हाथों लिया. आम आदमी पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव ने योगी सरकार कटघरे में खड़ा करते हुए कहा प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने की बात कहने वाले बड़बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहाँ हैं और कहाँ है उनका बुलडोजर ? प्रदेश में बहन बेटियों के साथ गैगरेप हो रहे है,बेटियां फांसी लगा रही है, उनको न्याय क्यों नहीं मिल रहा है. न्याय न मिलने की उम्मीद में बच्चियों के पिता ने भी आत्महत्या कर ली. इस घटना से देश का सर शर्म से झुक गया है. योगी सरकार का इतिहास रहा है हाथरस, उन्नाव से लेकर कानपुर तक बलात्कारियों को बचाने का काम किया है जिससे ईंट भट्टा ठेकेदार जैसे आरोपियों के हौसले बुलंद ह। कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन बहन बेटियों के साथ पाप हो रहा है. हत्याएं बलात्कार की घटनाएं बढ़ती जा रही है.योगी सरकार को पीड़ित महिलाओं के दुःख दर्द से कोई फर्क नहीं पड़ता.योगी सरकार ने दावे किये थे कि उत्तरप्रदेश में बहन बेटियां सुरक्षित रहेंगीलेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है मैं योगी जी से कहना चाहती हूँ कि आपका पहला कर्तव्य है बहन बेटियों की सुरक्षा, व कानून व्यवस्था को सही रखना ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके अपराधियों मे दहशत होना चाहिए. वहीं जौनपुर में दिन दहाड़े बेखौफ बदमाशों ने भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी. इन घटनाओं से साफ है यूपी में जंगलराज चल रहा है.

एटा में राजकीय आई.टी.आई. भवन के निर्माण कार्य हेतु 258.15 लाख रूपये मंजूर

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जनपद एटा के विकास खण्ड मारहरा में राजकीय आई.टी.आई. भवन के निर्माण कार्य हेतु 258.15 लाख रूपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि जिलाधिकारी, एटा के निवर्तन पर रखी गयी है।नियोजन विभाग ने इस सम्बंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। आदेशानुसार योजना हेतु मंजूर की जा रही धनराशि नियमानुसार सम्बंधित जनपद के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा जिलाधिकारी की अनुमति से कोषागार से आहरित कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करा दी जायेगी। योजना के लिए स्वीकृत धनराशि ब्याज अर्जित करने के उद्देश्य से आहरित कर बैंक अथवा डाकघर में नहीं रखी जायेगी। यह धनराशि आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी और तदनुसार कार्यदायी संस्था को धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत फतेहपुर, मीरजापुर एवं सुलतानपुर हेतु 481.575 लाख रुपये मंजूर

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2023–24 में त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत जनपद फतेहपुर, मीरजापुर एवं सुलतानपुर में सड़क निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्यों हेतु कुल 481.575 लाख रुपये मंजूर किये हैं। मंजूर की गयी धनराशि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गयी है। नियोजन विभाग ने इस संबंध में आवश्यक आदेश जारी कर दिये हैं। आदेशानुसार जनपद फतेहपुर में 08 कार्यों हेतु 245.20 लाख रुपये, जनपद मीरजापुर में 04 कार्यों हेतु 90.47 लाख रुपये तथा जनपद सुल्तानपुर में 10 कार्यों हेतु 154.905 लाख रुपये मंजूर किये गये हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत वीडियो वैन के माध्यम से किया प्रचार

लालगंज ,रायबरेली(आरएनएस)। गुरुवार को भाजपा पदाधिकारी ने सरेनी विधानसभा के एक दर्जन स्थानों पर मोदी की गारंटी वैन से जहां प्रचार प्रसार किया वहीं सुझाव पेटिका में लोगों से उनके सुझाव पत्र भी डलवाने का काम किया। गुरुवार को भाजपा के रंग में रंगी मोदी गारंटी वैन लालगंज के गोविंदपुर वलौली पहुंची जहां सरेनी विधानसभा संयोजक सुशील शुक्ला, मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी ,अभियान संयोजक दीप प्रकाश शुक्ला के नेतृत्व में लोगों से सुझाव पत्र आमंत्रित किए गए। इसी प्रकार गांधी चौराहा, दो सड़का ,जनता बाजार, गंगागंज ,बेनी माधवगंज, सराय बैरिया खोड़ा ,मलके गांव, भोजपुर, सरेनी, ऐहार, मधुकरपुर, में भी मोदी गारंटी वैन के द्वारा लोकप्रिय योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया और भाजपा के घोषणा संकल्प पत्र के लिए सुझाव पत्र भी लिए गए। मोदी गारंटी वैन को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। अधिकांशत लोगों ने कहा कि मोदी सरकार ठीक काम कर रही है फिर भी शिक्षा स्वास्थ्य आदि विभागों में और अधिक ठीक ढंग से काम करने की मांग जनता जनार्दन ने की है। कहीं–कहीं लोगों ने बेसहारा पशुओं की समस्या को भी सुझाव पेटिका में डाला है। इस मौके पर सुरेंद्र गुप्ता, कैलाश बाजपेई ,श्याम दीक्षित, रिंकू बाजपेई, मुन्नीलाल बाजपेई ,ब्रह्मेंद्र विक्रम सिंह , डॉक्टर लक्ष्मी शंकर त्रिवेदी, शिवम मिश्रा, विनय अवस्थी, शिव प्रकाश पांडे, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संतोष सिंह, गिरीश कुमार सिंह ,शादाब अहमद ,मदन मिश्रा ,डॉक्टर चंद्र प्रताप सिंह ,शिव शंकर ,उमा देवी, अभिषेक गुप्ता मुन्नू लाल शर्मा श्याम सुंदर ,विद्या शंकर त्रिवेदी, मंडल अध्यक्ष जगन्नाथ पांडे, विकेश द्विवेदी ,रमेश पासवान ,दिनेश कुमार, प्रशांत पांडे ,रामबख्श सिंह, रामनरेश सिंह, रामकुमार, राम बहादुर यादव ,रमेश मिश्रा, राकेश मिश्रा, संतोष दिक्षित ,लक्ष्मीकांत तिवारी, दिलीप शुक्ला ,आशुतोष, विवेक मिश्रा ,राम प्रकाश सिंह, कामता सिंह , मंडल अध्यक्ष गोविंद सविता, संजय अग्निहोत्री ,बाबूराम, मंडल अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा ,चंद्रकांत, अतुल तिवारी ,पिंटू सिंह,आशीष मिश्रा ,मनीष कुमार ,लल्लू शुक्ला, विजय तिवारी , जिला मंत्रीओंकार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

अस्पताल से दवा लेने को मजबूर हैं आयुष्मान कार्ड धारक

रायबरेली(आरएनएस)। दीनशाह गौरा ब्लाक के थुलरई गांव निवासी रामकिशोर अपनी पत्नी किरन (64 वर्ष)का इलाज कराने के लिए शहर के गोल चौराहा स्थित रायबरेली नेत्र चिकित्सालय ले गए। उनका बीती 26 फरवरी को आंख में मोतियाबिंद का आपरेशन किया गया। उन्हे शाम को डिस्चार्ज कर दिया गया। जब वह अपने मरीज को घर ले जाने लगे तो आरोप है की अस्पताल से उनसे पैसे की मांग की गई।इस पर उन्होंने कहा की उनका आयुष्मान कार्ड बना हुआ है। तब काफी बहस के बाद उन्हें आने दिया गया। फिर एक हफ्ते बाद उन्हें बुलाया गया। बीती 6 मार्च को वह फिर अपने मरीज को दिखाने अस्पताल गए तो मरीज को कुछ सांस फूलने की दिक्कत थी। इस पर अस्पताल ने उनसे दस दिन की दवा लेने को कहा और उन्हें 2200 की दवा लेने की बात कही।पीड़ित ने कहा उसका आयुष्मान कार्ड है लेकिन कहा गया ये दवा बिन पैसे के नही मिलेगी। उनके पास उतने पैसे भी नही थे तब किसी तरह उसने 5 दिन की दवा1014 रुपए देकर ली।जिसकी रसीद भी अस्पताल के मेडिकल से दी गई। इस पर पीड़ित पति रामकिशोर का कहना है की जब दवा के पैसे ही ले लिए जा रहे तो फिर पांच लाख तक के इलाज की बात बेमानी है। इस पर कई लोगो ने नाराजगी भी जताई।

सड़क हादसे में घायल किशोरी की इलाज के दौरान हुई मौत

ऊंचाहार(आरएनएस)।कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर सड़क पार कर रही किशोरी को बाइक सवार ने एक दिन पहले टक्कर मारकर घायल कर दिया गया था। हादसे में घायल किशोरी की गुरुवार को जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है ,सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह हादसा बुधवार को लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर बाबा का पुरवा गांव के पास हुआ था। क्षेत्र के गांव केवलपुर मजरे इटौरा बुजुर्ग निवासी राजेंद्र प्रसाद की 17 वर्षीया पुत्री लवली सड़क पार कर रही थी, तभी राजमार्ग पर पीछे से आ रहे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे किशोरी गंभीर रूप से घायल हो गई थी ।आसपास के लोगों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर दशा को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया था। परिजन जिला मुख्यालय पर उसे एक निजी चिकित्सालय में ले गए। जहां पर किशोरी का इलाज हो रहा था ।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8से16 मार्च तक सी. एम.एस.में बालिकाओं की 'एडमीशन फीस' माफ

लखनऊ, 7 मार्च। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के संस्थापक स्व. डा. जगदीश गाँधी की स्मृति एवं अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सी.एम.एस. प्रबन्धन ने निर्णय लिया है कि 8 से 16 मार्च तक सी.एम.एस. में एडमीशन लेने वाली बालिकाओं से प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा। यह घोषणा आज सी.एम. एस. संस्थापिका–निदेशिका डा. भारती गाँधी ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित एक विशेष समारोह में की। सी.एम.एस. प्रधान कार्यालय पर आयोजित इस विशेष समारोह में डा. भारती गाँधी ने सम्पूर्ण नारी जगत को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की और कहा कि विश्व की आधी आबादी 'नारी शक्ति' ही विश्व समाज में रचनात्मक परिवर्तन लायेगी और महिला शक्ति के पुनीत प्रयासों से निश्चित रूप से एक दिन विश्व एकता का सपना साकार होगा। इस अवसर पर सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट एवं प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री–पुरुष के समान अनुपात की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस अवसर पर विभिन्न धर्मो की शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने समाज में नारी शक्ति की महत्ता पर विशेष रूप से चर्चा करते हुए एक स्वर से कहा कि सामाजिक व्यवस्था में महिलाओं की सक्रिय भागादारी से ही समाज का रचनात्मक उत्थान संभव है। वक्ताओं ने डा. भारती गाँधी को महिला सशक्तीकरण का जीता–जागता उदाहरण बताते हुए कहा कि डा. गाँधी का जीवन दर्शन वर्तमान पीढ़ी, खासकर बालिकाओं व महिलाओं के लिए अत्यन्त प्रेरक हैं।सी.एम.एस. के विभिन्न कैम्पस अवकाश के दिनों में भी छात्र–छात्राओं के प्रवेश हेतु खुले रहेंगे। श्री शर्मा ने बताया कि महिला सशक्तीकरण की दिशा में सी.एम.एस. दशकों से अग्रणी भूमिका निभा रहा है एवं बालिकाओं के शिक्षा शुल्क में यह छूट इन्हीं प्रयासों की एक कड़ी है।

राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन मे पदाधिकारी किए गए मनोनीत

झांसी! विकास श्रीवास्तव प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश एवं आकाश कुलश्रेष्ठ प्रदेश महासचिव बने प्रदीप वर्मा मंडल अध्यक्ष झांसी एवं सोनू साहू चटर्जी को झांसी जिलाध्यक्ष किया गया मनोनीत!

झांसी राष्ट्रीय अधिमान्य पत्रकार संगठन राष्ट्रीय कार्यालय नई दिल्ली से राष्ट्रीय अध्यक्ष महेश पटेल के निर्देश अनुसार जारी विज्ञप्ति मे बताया कि उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी मे झांसी सेविकास श्रीवास्तव को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार आकाश कुलश्रेष्ठ को प्रदेश महासचिव के पद पर मनोनीत किया गया!इसके अतिरिक्तसंगठन मे झांसी मंडल अध्यक्ष पद पर प्रदीप वर्मा व जिलाध्यक्ष झांसी के पद पर सोनू साहू चटर्जी को जिम्मेदारी दी गयी! उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्रीय महासचिवध् नियुक्ति प्रभारी विकास शर्मा ने बताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी जल्द ही अपनी कार्यकारिणी का गठन करके सूची राष्ट्रीय कार्यालय को प्रेषित करे एवं पत्रकारो की एकता व संगठन की मजबूती के लिए कार्य करे समस्त नवनियुक्त पदाधिकारी को संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शिवानंद शुक्ला जी ने सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

महिला दिवस पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को मिला कौशल सम्मान

लखनऊ । कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय भारत सरकार के जन शिक्षण संस्थान गोमती नगर , लखनऊ तथा आवाहन द न्यू वॉयस व एच सी एल फाउन्डेशन के संयुक्त तत्वावध ाान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर आजीविका और कौशल केंद्र, कल्ली पश्चिम में ९ विकसित भारत के लिए महिलाओं और किशोरियों पर निवेश करें ९ विषय पर विचार गोष्ठी एवं कौशल सम्मान समारोह आयोजित किया गया । संस्थान के निदेशक अनिल कुमार श्रीवास्तव ने संस्थान के उद्देश्यों तथा

महिला सशक्तीकरण की चर्चा करते हुए कहा कि आवाहन संस्था की प्रमुख रंजना सिंह के सहयोग से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को असिस्टेंट जूट क्राफ्ट प्रोडक्ट मेकर तथा स्थानीय युवाओं को असिस्टेंट कंप्यूटर ऑपरेटर का प्रशिक्षण प्रदान किया गया था जिसमे सफल लाभार्थियों को भारत सरकार का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया जिससे ये महिलाएं बेहतर आजीविका की ओर अग्रसर हो अपना तथा अपने परिवार का आर्थिक उन्नयन कर कौशल भारत, कुशल भारत व समृद्ध भारत का सपना साकार कर रही हैं। इस अवसर पर आवाहन द न्यू वॉयस के कार्यक्रम समन्वयक राहुल द्विवेदी ने समारोह का संचालन करते हुए महिला विकास संबंध ाी अनेक पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। एच सी एल फाउन्डेशन की प्रतिनिधि शीतल और आशीष ने फाउन्डेशन के क्रियाकलापों के बारे विस्तार से बताया। समारोह को संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी पन्नालाल , वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता पी के राठी, समूहों की महिलाओं ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्वयं सहायता समूहों में उत्कृष्ठ कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया। कार्यकर्म में आवाहन के विपिन मिश्रा, राजू , किरण , संस्थान की कार्यक्रम सहायक नीतू यादव , संगणक संचालक कल्पना सिंह सहित लगभग 150 लोग उपस्थित रहे।

गरीब लड़कियों की शादी का मेकअप नि:शुल्क करती हूं - पल्लवी चतुर्वेदी

झाँसी! राम राजा सरकार संस्था के बढ़ते परिवार के क्रम में आज एक और गरीब बहन का आगमन हुआ उसके आगमन पर उसनेअपने विवाह के सम्बंध में राम राजा सरकार संस्था की अध्यक्ष पल्लवी चतुर्वेदी से वार्तालाप की जिसमें पल्लवी चतुर्वेदी ने बहन को सुसज्जित कर बहन के रूप में विदा करने का आश्वासन दिया आज विवाह के दिन बहन को पीहू ब्यूटी पार्लर में तैयार कराकर पल्लवी चतुर्वेदी के घर पहुंची जहां छोटी बहन के रूप में पश्चात उपहार देकर विदा किया इस अवसर पर पल्लवी चतुर्वेदी, दिलीप चतुर्वेदी,प्रफुल सक्सेना,वारिश राजपूत,अशोक पांडेय आदि संस्था के लोग उपस्थित रहे।

पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वंदना पाठक ने थामा भाजपा का दामन

झांसी! लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। ऐसे में कई नेता पार्टी को छोड़कर भाजपा दामन थाम रहे है। जिसके चलते भाजपा का कुनबा बढ़ता जा रहा है। वही झांसी के भी कई दिग्गज नेता आज लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के द्वारा सदस्यता दिलाई गई। जिसमे झांसी की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वंदना पाठक ने आज समाजवादी पार्टी को छोड़ भाजपा की सदस्यता ली।आपको बता दे की पाठक परिवार का झाँसी जिला मे खासा दबदबा माना जाता है।लोकसभा चुनाव से पूर्व समाजवादी पार्टी को लगातार झटका मिल रहा है। तो वही भाजपा पूरे दम खम से 400 पार की बात कर रही है। फिलहाल आगामी चुनाव बड़ा ही दिलचस्प होने जा रहा है।

ब्लॉक भगतपुर के प्राथमिक विद्यालय कुकरझुण्डी में निर्मित नक्षत्रशाला का हुआ उद्घाटन

लईक सैफी

टाण्डा।ब्लॉक भगतपुर–टाण्डा के प्राथमिक विद्यालय कुकरझुन्डी में स्थित प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को सौर मंडल की भलीभांति जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निर्मित नक्षत्रशाला का बृहस्पतिवार को जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में उद्घाटन अमल में आया।प्राथमिक विद्यालय कुकरझुण्डी में बनी नक्षत्रशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के जिला सचिव मित्रपाल सिंह तोमर व मण्डल अध्यक्ष भोजपुर मनोज कुमार ने शिरकत की।जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर ग्रामप्रधान महेन्द्री देवी मौजूद रहीं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एकता ने कहा कि नक्षत्रशाला के निर्माण से विद्यालय के बच्चों के ज्ञान में इजाफा होगा।इसके माध्यम से बच्चे जहां ग्रह–नक्षत्रों की दुनिया से रोमांचित होंगे,वहीं उन्हें ब्रह्मांड से जुड़ी जिज्ञासाओं को शांत करने में भी मदद मिलेगी।कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्रभान सिंह, दानवीर सिंह,सहित कपिल कुमार शर्मा, राजकुमार, राजेन्द्र कुमार, सरिता, कैलाश बाबू,ग्राम विकस अधिकारी अनिल कुमार भारती, रोजगार सेवक होराम सिंह, पंचायत मित्र मनीषा कुमारी आदि उपस्थित रहे।

मनस्विनी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर संगोष्ठी..

रिपोर्ट– राशिद पठान

झांसी मनस्विनी की टीम ने रजनी गुप्ता की अध्यक्षता में हवाना होटल में विशेष बैठक आयोजित की।

रजनी गुप्ता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का राष्ट्रीय उद्देश्य महिलाओं की प्रगति और उनमें आत्मविश्वास का संचार करना हैं। महिला सशक्तिकरण देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि

वे रचनाकार होती हैं। अगर आप उन्हें सशक्त करें, उन्हें शक्तिशाली बनाएं, प्रोत्साहित करें, यह देश को प्रगति की ओर ले जाने वाला एक बेहतर कदम है। इस दिशा में माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा 33ः आरक्षण और तमाम महिलाओं के हित के लिए उपलब्ध योजनाओं के लिए धन्यवाद दिया।

रजनी वर्मा ने महिला सशक्तिकरण के साथ उनके स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए बात की।

सभी सदस्यों ने इस पर अपने–अपने विचार रखे। संगोष्ठी में रजनी गुप्ता, रजनी वर्मा , मीनू चावला रितु सैमसन रचना सोनी उर्मिला पटेरिया रेनू शुक्ला सोनम गुप्ता सुमन शर्मा मोनिका गुप्ता पूर्वा गुप्ता रामश्री बरसैंया मीनाक्षी बामी राशि गुप्ता इत्यादि शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नेहा फाउंडेशन द्वारा सम्मान समारोह आयोजित...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर गुरुग्राम हरियाणा में राजकीय कन्या विश्वविद्यालय के कुलपति एवम हिंदी विभाग के प्रोफेसर श्री अंतिल जी मुख्या मंत्री के रूप मे उपस्थित रहे। नेहा शालिनी दुआ की और से महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिसमे जम्मू कश्मीर की पोलिस ऑफिसर साहिदा परवीन।।। एसीपी दिल्ली जसमीत बत्रा कार रैली स्पेशल,,, बिना जी कवित्री, नीतू राव जी सामाजिक कार्यकर्ता एवं कवित्री सभी विशेष अतिथि रूप में शामिल रही।।। अथिथीयो का समान गुरुग्राम जिला अध्यक्ष कमल यादव बीजेपी ।।। 77 जी एवम महिला मोर्चा अध्यक्ष सोनिया यादव जी द्वारा दिया गया।। कार्यकम का आयोजन नेहा फाउंडेशन की फाउंडर अध्यक्षा श्रीमती नेहा दुआ ने किया।।। नारी बंधन में महिलाओं को संस्कृति कार्यक्रम से जोड़ा जाए ताकि उनका उत्साह वर्धन होता रहे।।।। युवाओं में जोश के साथ अपने कार्य से देश का नाम रोशन करे।।।

इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर दिल्ली में संपन्न हुआ कुरैश कॉन्फ्रेंस का राष्ट्रीय अधिवेशन

झांसी! इंडिया इस्लामिक कल्चर सेंटर दिल्ली के बीएस अब्दुर्रहमान ऑडिटोरियम में कुरैश कॉन्फ्रेंस का राष्ट्रीय अधिवेशन एवं स्थापना दिवस भव्य तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कारी हुजैफा की तिलावत और दानिश कुरेशी गोल्ड मेडलिस्ट की नाते रसूल से हुआ। प्रोग्राम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर अली कुरैशी (एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट) ने की, जबकि मुख्य अतिथि के तौर पर से शैखूल हदीस मुफ्ती खुर्शीद साहब कासमी मेरठ एवं शाहीन ग्रुप आफ स्कूल के डायरेक्टर अब्दुल कदीर साहब मौजूद रहे। जिन्होंने कुरैशी कम्यूनिटी के 100 बच्चों को डॉक्टर बनने का वादा किया। कहा कि आप हमें बिल्डिंग दो टीचर्स हम आपको देंगे। मुफ्ती खुर्शीद ने कहा अपने कबीले की मदद फलाह और बहबूदी का काम करना कुरान और हदीसों से साबित है। उन्होंने कहा जकात के जरिए से दबे कुचले, परेशान हाल लोगों को ऊपर उठकर सरमाया दार लोगो के बराबर खड़ा करना है। उन्होंने कहा 2024 में अगर 200 लोग जकात लेने वाले हैं, तो 2025 में 100 रह जाने चाहिए। मौलाना तौकीर राजा खान बरेलवी ने कहा कुरेश कम्यूनिटी के अंदर निकाह को आसान बनाने का काम लाइक ए मुबारकबाद है विशिष्ट अतिथियों में पूर्व मंत्री निसार खान, जस्टिस अब्दुल सत्तार कुरैशी के बेटे कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहसिन कुरैशी, हाजी मुख्तार कुरैशी, राष्ट्रीय सचिव असलम कुरैशी, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य सादातुल्लाह खान, अय्यूब कुरैशी बेंगलुरु, संभल जिला अध्यक्ष एवं ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य डॉक्टर इफ्तेखार अहमद कुरैशी, वसीम कुरेशी, अरमान कुरेशी, चौधरी बदर आरिफ कुरैशी गिनीज बुक का रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने वाले मौजूद थे। प्रोग्राम में सर्वसम्मति से 15 प्रस्ताव पास हुए, जिसमें कुरेश भवन के निर्माण से लेकर महिला सशक्तिकरण, शिक्षा का सशक्तिकरण, राजनीतिक सशक्तिकरण, कास्ट सर्वे, उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयो में लीगल कमेटी का गठन, आसान निकाह की कॉमेडिया करियर काउंसलिंग कोचिंग एंड गाइडेंस ट्रेड प्रोडक्शन के लिए व लाइसेंसी करण के लिए एकल विंडो सिस्टम लागू करना, मैगजीन, न्यूजपेपर व इलेक्ट्रानिक चौनल, जकात फंड जैसे महत्वपूर्ण बिंदु शामिल है। प्रधान महासचिव आशिकीन कुरैशी ने सालाना रिपोर्ट पेश की एवं नियुक्तियों के बारे में विस्तार से बताया। जबकि राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष तंजीम कुरैशी ने आय–वय एवं जनरल खाते का ब्योरा प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सलीम अहमद कुरैशी ने कहा कि आजादी से आज तक कुरैशी समाज गहरी नींद सोया हुआ है। हमें न सिर्फ अपनी समस्याओं का हल तलाश करना है, बल्कि शासन और सत्ता से इंसाफ की उम्मीद रखते हुए अपने हक को हासिल करने के लिए संगठित होने की भी जरूरत है। एडवोकेट शराफत हुसैन कुरैशी राष्ट्रीय सचिव ने मिशन विजन एवं टारगेट पर चर्चा की बाबाय कुरैश भैया रशीदुद्दीन कुरैशी की खिदमत को भी याद किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष को जोधपुर की टीम ने पकड़ी पहनकर सम्मानित किया तो कर्नाटक के प्रेसिडेंट ने अवार्ड दिया जबकि कुरेश कॉन्फ्रेंस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने फखरे कुरेश अवार्ड से सम्मानित किया। अपने अध्यक्षीय भाषण में सनोबर अली कुरैशी ने कहा

मेरे खून का एक –एक कतरा बिरादरी के काम आएगा बिरादरी ने जो मुझे जिम्मेदारी दी है सच्चर समिति की रिपोर्ट को लागू करने के लिए कुरेश कॉन्फ्रेंस देशव्यापी अभियान चलाएगी। देश के लगभग 10 प्रदेशों से आए हुए लोगों का आभार प्रकट किया। इस अधिवेशन में मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, बुंदेलखंड, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना, कर्नाटक, के कुरैशी समाज के लोगों ने शिरकत की। इस अवसर पर इमरान इस्माइल, ताज मोहम्मद अंसारी, नफीस मंसूरी, सलाउद्दीन गद्दी मौजूद रहे। जबकि कारी खालिद बशीर, डॉक्टर इफ्तेखार अहमद, एडवोकेट नफीस कुरेशी, मो कलाम कुरैशी राष्ट्रीय सचिव तबस्सुम कुरैशी, आदि ने अधिवेशन को संबोधित किया। मुल्क और काम की तरक्की की दुआओं के साथ अधिवेशन का समापन हुआ। 2024 के इलेक्शन के लिए कुरैशी समाज का अधिवेशन अपनी लाइन तय करता हुआ नजर आया।

यज्ञ मनुष्य के अंदर की त्याग भावना को विकसित करता है

झांसी! अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान में नगर गुरसराय अंजनी चौक मातवाना में चल रहे भव्य 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का मंत्र उच्चारण के साथ तीसरे दिन सैकड़ो माता बहनों एवं लोगों ने यज्ञ कुंड में भावनापूर्वक आहुतियां

प्रदान की।इसके पूर्व टोली का स्वागत सतीश चौरसिया एवं रमेश सोनी,चंद्रभान साहू,रामकुमार कुशवाहा,शंकरलाल नामदेव,परमानंद कुशवाहा ने किया।संगीत टोली में पधारे पीएन तिवारी,सीपी सिंह राजपूत,नीरज राजपूत,अखिलेश श्रीवास्तव,महेंद्र विश्वकर्मा,मुरारी बापू, विशाल राजपूत ने युग संगीत देकर लोगों का मन मोह लिया।यज्ञशाला में आज विभिन्न संस्कार निशुल्क कराए गए।आग्रह किया एवं सभी का आभार व्यक्त किया।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि क्षति का मुआवजा दिलाए जाने के लिए उपजिलाधिकारी को सौपा ज्ञापन

झाँसी! गुरसराय बारिश और ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों का मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने बुधवार को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी गरौठा को सौंपा। जिलाध्यक्ष मोहित सिंह घोष ने कहा कि कई गांवों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है,इससे फसलें बर्बाद हो गईं।पकने के कगार पर खड़ी फसल तेज हवा चलने से जमींदोज हो गई। आंधी के चलते पेड़ टूट गए।दलहनी, तिलहनी व गेहूं की फसल खेत में बिछ गई,ऐसे में किसानों को भारी नुकसान हुआ है।उन्होंने कहा कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा राशि दी जाए।साथ ही बढ़े हुए बिजली के बिलों को माफ किया जाए,ताकि किसानों को कुछ हद तक राहत मिल सके।किसान क्रेडिट कार्ड का कर्ज सरकार माफ करे।ज्ञापन देने वालों में राजेंद्र सोनी एडवोकेट,देवेंद्र सिंह,नितेश सोनी,जितेंद्र मिश्रा,महिपाल सिंह,पवन मोनस,शोभाराम बछेह,नारायण सिंह,अभिनाश आदि लोग उपस्थित रहे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 08 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

साख पर सीधा प्रहार

आज ऐसे संदेह खुलकर जताए जा रहे हैं कि न्यायपालिका का एक हिस्सा एक खास राजनीतिक परियोजना का हिस्सा बनता जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस गंगोपाध्याय से संबंधित खबर न्यायिक साख के लिए तगड़े झटके के रूप में रूप में आई है। किसी संवैधानिक न्यायालय का वर्तमान जज आम चुनाव से ठीक पहले राजनीति में भाग लेने का इरादा जताते हुए अपने पद से इस्तीफा दे, तो बेशक उससे न्यायपालिका की निष्पक्षता को लेकर आम जन के बीच एक बेहद खराब संदेश जाएगा। और खासकर तब तो बिल्कुल ही ऐसा होगा, अगर उस जज ने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे अनेक आदेश दिए हों और टिप्पणियां की हों, जिनसे एक पार्टी विशेष को अपना एजेंडा आगे बढ़ाने में मदद मिली हो। दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारतीय न्यायपालिका में सचमुच ऐसी घटनाएं हो रही हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज अभिजित गंगोपाध्याय के कई आदेशों से पश्चिमी बंगाल में सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी हुई थीं। जबकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के तृणमूल विरोधी अभियान को उन आदेशों से बल मिला था। इसीलिए जस्टिस गंगोपाध्याय ने जब यह एलान किया कि वे मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा देकर राजनीति में प्रवेश करेंगे, तो उससे न्यायिक निष्पक्षता के पक्षधर लोगों को आघात पहुंचा।

जस्टिस गंगोपाध्याय ने अभी नहीं बताया है कि वे किस दल की सदस्यता लेंगे या क्या वे लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनेंगे। लेकिन उनकी ताजा घोषणा से तृणमूल कांग्रेस को यह कहने का आधार जरूर मिला है कि राज्य सरकार विरोधी उनकी कई पुरानी टिप्पणियां राजनीति में प्रवेश करने का आधार बनाने के मकसद से की गई थीं। यह बात अपनी जगह सही है कि समय से पहले पद छोड़कर जजों के राजनीति में प्रवेश करने का यह पहला मौका नहीं है।अतीत में कम–से–कम ऐसी दो मिसालें हैं। लेकिन यह बात अवश्य ध्यान में रखनी चाहिए कि तब न्यायपालिका इतने सवालों से घिरी हुई नहीं थी, जितनी आज है। तब के जजों के निर्णयों को उनके व्यक्तिगत विचलन के तौर पर देखा गया था। उनमें से एक जज सत्ताधारी दल के नहीं, बल्कि विपक्ष के उम्मीदवार बने थे। जबकि आज ऐसे संदेह खुलकर जताए जा रहे हैं कि न्यायपालिका का एक बड़ा हिस्सा एक खास राजनीतिक परियोजना का हिस्सा बनता जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में जस्टिस गंगोपाध्याय से संबंधित खबर न्यायिक साख के लिए तगड़े झटके के रूप में रूप में आई है।

एक नई लक्ष्मण–रेखा

मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह बात भी सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैं।सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने विधायिका और न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्रों के बारे में संविधान में सीमा का पुनर्लेखन कर दिया है। उसने संविधान के अनुच्छेद 105(2) की नई व्याख्या कर दी है, जिसके तहत संसद के अंदर का कथित भ्रष्ट आचरण अब न्यायिक जांच–परख के दायरे में आ जाएगा। अपने ताजा फैसले के जरिए उसने शपीवी नरसिम्हा राव बनाम स्टेट्य (यानी झारखंड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड) में 1998 में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया है।

वह मामला जन–प्रतिनिधियों के कथित रिश्वत लेकर सदन के अंदर भाषण देने और मत डालने से संबंधित था। 1998 में पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा था कि सांसद और विधायकों पर इस तरह के मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, क्योंकि उन्हें संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण हासिल है। अब कोर्ट ने कहा है कि इस तरह के आचरण से संसदीय पवित्रता भंग होती है, इसलिए इसे संसदीय विशेषाधिकार का संरक्षण नहीं मिल सकता। मोटे तौर पर कहा जाएगा कि कोर्ट की मंशा अच्छी है। लेकिन यह तथ्य भी अपनी जगह सही है कि लोकतंत्र में अधिकारों का बंटवारा एक बुनियादी तकाजा है। अगर शासन की एक संस्था दूसरे संस्था के अधिकार क्षेत्र में अपनी पैठ बनाने लगे, तो इसे समस्याएं पैदा हो सकती हैं। संविधान में जिस तरह संसदीय विशेषाधिकार का प्रावधान किया गया है, उसी तरह का संरक्षण न्यायपालिका को भी दिया गया है।अनुच्छेद 121 के तहत सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्टों के जजों के आचरण पर संसद में बहस नहीं हो सकती। अब यह सवाल उठेगा कि आखिर न्यायपालिका को यह संरक्षण क्यों मिले रहना चाहिए? कुछ वर्ष पूर्व एक प्रधान न्यायाधीश पर सुप्रीम कोर्ट के अंदर यौन उत्पीडन का आरोप लगा था। उस कांड की सामान्य आपराधिक न्याय प्रक्रिया के तहत जांच नहीं हुई, क्योंकि संबंधित जज को न्यायिक संरक्षण प्राप्त था। उस मामले पर संसद में भी चर्चा नहीं हो सकती थी। कोर्ट की मंशा यह है कि जन प्रतिनिधियों के भ्रष्ट आचरण पर रोक लगाई जाए। लोग इससे सहमत होंगे। लेकिन उनकी ऐसी ही आकांक्षा जजों के बारे में भी है।

भाजपा की पहली सूची का क्या संदेश?

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टियों ने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है। पहले इक्का दुक्का पार्टियां ऐसा करती थीं लेकिन अब यह परंपरा बन गई है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी ने 30 से ज्यादा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। आम आदमी पार्टी ने भी दिल्ली में अपने कोटे की चार सीटों के साथ साथ हरियाणा और गुजरात की सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ 195 प्रत्याशियों के नाम की घोषणा की। एक अनुमान के मुताबिक भाजपा देश की 543 में से साढ़े चार सौ से कुछ ज्यादा लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी और बाकी सीटें उसकी सहयोगी पार्टियों के खाते में जाएंगी। इस लिहाज से कह सकते हैं कि भाजपा ने एक झटके में अपनी करीब 40 फीसदी सीटों के लिए उम्मीदवार घोषित कर दिए। भाजपा की पहली सूची कई मायनों में बहुत दिलचस्प है। जैसे भाजपा के सूत्रों के हवाले से ही दो महीने से खबर आ रही थी कि पार्टी पहले उन सीटों पर उम्मीदवार घोषित करेगी, जहां वह पिछली बार हारी थी या दो–तीन बार से नहीं जीत रही है या पिछली बार बहुत कम अंतर से जीती थी। इसे मध्य प्रदेश मॉडल कहा गया था। भाजपा ने पिछले साल के अंत में मध्य प्रदेश विधानसभा के चुनाव में सबसे पहले कमजोर और हारी हुई सीटों पर अपने दिग्गज नेताओं को उम्मीदवार बना कर उतार दिया था। कई केंद्रीय मंत्री और सांसद विधानसभा चुनाव लड़े थे। उसी तर्ज पर लोकसभा चुनाव की पहली सूची आने की चर्चा थी। लेकिन सूची आई तो वह इसके बिल्कुल उलट थी। पार्टी ने उन सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा की, जहां वह पारंपरिक रूप से बहुत मजबूत है और पिछली बार भारी अंतर से जीती थी। कुछ सीटें ऐसी भी हैं, जहां कांटे की टक्कर थी लेकिन ज्यादातर सीटें ऐसी हैं, जिन पर पार्टी आसानी से जीती थी। इस तरह भाजपा ने मुश्किल सीटों पर घोषणा नहीं की। साथ ही जहां अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत फाइनल नहीं हुई है वहां के उम्मीदवारों का ऐलान भी नहीं हुआ और जिन राज्यों या जिन सीटों पर विपक्षी गठबंधन के मजबूती से लडने का अनुमान है उन सीटों पर भी घोषणा रोक दी गई। भाजपा की इस बदली हुई रणनीति

मोदी पर निजी हमला कर विपक्ष ने चुनावों से पहले खुद के पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली है

2014 के चुनाव में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर एक और हमला किया था। अय्यर ने कहा था कि वो चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा। इस बयान पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलावर रही थी। पीएम ने अय्यर की टिप्पणी पर जवाब अपने ही अंदाज में दिया था। 20 सितंबर 2018 को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान में आदिवासी जिले डूंगरपुर के सागवाड़ा में एक जनसभा में एक कहावत का उपयोग करते हुए राफेल मामले में प्रधानमत्री पर अमर्यादित टिप्पणी की। इस दौरान उन्होंने पीएम पद की गरिमा का खयाल भी नहीं रखा। राहुल गांधी ने कहा, 'गली–गली में शोर है, देश का चौकीदार चोर है।' राहुल गांधी की चौकीदार चोर की टिप्पणी के बाद पूरे देश में इस शब्द को लेकर ही आंदोलन शुरू हो गया था। बीजेपी के तमाम नेताओं ने अपने नाम के आगे 'मैं भी चौकीदार' जैसे शब्द लिखने शुरू कर दिए थे। बाद में, चौकीदार चोर है का नारा देने के कारण राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी थी। 3 मार्च 2024 को बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में जन विश्वास महारैली में इंडी अलांयस की रैली में बोलते हुए राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री मोदी पीएम मोदी के परिवारवाद वाली टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा था कि उनकी कोई संतान नहीं है। वो पत्नी के साथ नहीं रहते। कैसे जानेंगे कि परिवार क्या होता है? लालू प्रसाद की आपत्तिजनक टिप्पणी के अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के अदिलाबाद में जनसभा को संबोधित कर रहे थे तो उन्होंने विपक्ष की ओर से उनके परिवार को लेकर किए गए हमले का परोक्ष रूप से जवाब दिया। पीएम ने कहा, 'मैं इनके परिवारवाद पर सवाल उठाता हूं, तो इन लोगों ने अब बोलना शुरू कर दिया है कि मोदी का कोई परिवार नहीं है। मैं इनसे कहना चाहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। जिनका कोई नहीं है, वो भी मोदी के हैं और मोदी उनका है। मेरा भारत ही मेरा परिवार है।' पीएम मोदी की ओर से पूरे देश को अपना परिवार बताए जाने के कुछ देर बाद ही भाजपा ने नए अभियान की शुरुआत कर दी। अभियान का नाम दिया गया 'मोदी का परिवार।' फिर क्या था बीजेपी के तमाम आला नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपना बॉयो बदल दिया। वास्तव में, लालू के हमले को ही मोदी ने हथियार बनाते हुए अपने चुनावी अभियान में शामिल कर लिया। साल 2019 में भी पीएम मोदी ने विपक्ष के हमले से ही एक ऐसा हथियार निकाला और इस तरह अभियान चलाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सारी कोशिशें ध्वस्त हो गई थीं और भारतीय जनता पार्टी 2014 की तुलना में बड़ी जीत के साथ सत्ता में वापसी की थी। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने एक्स पर अपने बॉयो में 'मैं भी चौकीदार' लिखकर इस अभियान की शुरुआत की थी। यह अभियान तेजी से वायरल हो गया और बड़ी संख्या में बीजेपी के छोटे–बड़े नेताओं ने अपनी बॉयो में 'मैं भी चौकीदार' लिखना शुरू कर दिया। गली–गली पोस्टर लग गए। सिर पर टोपी आई जिस पर लिखा था– मैं भी चौकीदार। हर बड़ी हस्ती खुद को चौकीदार बताने लगी थी। चायवाला बनकर अगर पीएम रिक्शा, रेहड़ी–पटरी वाले तबके से जुड़ते हैं तो 'मैं भी चौकीदार' से उन्होंने एक बड़े तबके को खुद से जोड़ने की कोशिश की, वो प्रयोग सफल रहा। यह अभियान चुनाव खत्म होने तक जारी रहा। 2019 में जहां मैं भी चौकीदार नारा चर्चा में आया था तो वहीं अबकी बार मोदी का परिवार सुर्खियों में है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले इस बार विपक्ष ने फिर से वही गलती कर दी है। 2014 के चुनाव में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने पीएम मोदी पर एक और हमला किया था। अय्यर ने कहा था कि वो चायवाला क्या प्रधानमंत्री बनेगा। इस बयान पर भाजपा कांग्रेस पर लगातार हमलावर रही थी। पीएम ने अय्यर की टिप्पणी पर जवाब अपने ही अंदाज में दिया था। मोदी ने चुनावी कैंपेन के दौरान

खुद को चायवाला बताकर कांग्रेस पर तीखे प्रहार किए थे। इस बयान को मुद्दा बनाया गया था और चाय पर चर्चा कार्यक्रम रखे गए थे। उस वक्त भी इसी तरह बीजेपी ने उनके इस बयान को लपका था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उस वक्त ना सिर्फ तालकटोरा स्टेडियम के बाहर चाय बेची थी बल्कि बीजेपी की लोकसभा चुनाव की पूरी रणनीति ही 'चाय' पर केंद्रित हो गई थी। 2007 में गुजरात चुनाव के दौरान सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने 2017 में पीएम मोदी को नीच इंसान बताया था, गुजरात चुनाव के दौरान दिया गया ये नारा भाजपा ने जातिवाद से जोड़ दिया था। पीएम ने पलटवार करते हुए कहा कि, कांग्रेस के लोग मुझे नीच कहते हैं। गुजरात के बेटे के इन शब्दों का प्रयोग कांग्रेस को भारी पड़ेगा। प्रदेश के नतीजे इसके गवाह होंगे। 2017 के चुनाव में बीजेपी ने शानदार विजय हासिल की थी।

2019 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले एनडीए गठबंधन को बड़ी जीत हासिल हुई थी। भाजपा ने 2014 में 282 सीटें जीती थी। वहीं 2019 के आम चुनाव में भाजपा ने अकेले तीन सौ के आंकड़ों को पार किया और 303 सीटों पर जीत का परचम लहराने में सफल रही। अन्य सहयोगी पार्टियों के साथ ने इस जीत को और प्रचंड बना दिया। एनडीए ने लोकसभा की कुल 353 सीटों पर कब्जा किया, वहीं कांग्रेस की अगुवाई वाला यूपीए 92 सीटों पर सिमट कर रह गया। कांग्रेस के अकेले प्रदर्शन की बात करें तो काफी खींच–तान के बाद पार्टी को महज 52 सीटों पर सफलता मिली। भाजपा की इस बड़ी जीत के बाद भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने एक बार फिर अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया था। 2014 के चुनावों की बात करें तो कांग्रेस महज 44 सीटों पर जीत हासिल कर पाई थी और उस बार भी सदन को विपक्ष का नेता नहीं मिल पाया था। 2019 के आम चुनाव में विपक्ष की ओर से राहुल गांधी पीएम मोदी के मुकाबले मैदान में थे। इस बार इंडी अलांयस मैदान में तो है, लेकिन उसकी ओर से कोई सर्वसम्मत चेहरा मैदान में नहीं है। विपक्ष को समझना चाहिए कि भाजपा के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रूप में चमत्कारी चेहरा है। उनकी नीतियों और फैसलों में खामी ढूंढकर जनता के सामने रखा जा सकता है लेकिन जब पीएम खुद को सबसे बड़ा ओबीसी नेता बता रहे हों, चुनाव करीब हो तब विपक्ष की एक गलती सारे समीकरण गड़बड़ा सकती है। अब परिवार वाले तंज पर ही देखिए कैसे पीएम ने रैली में भावुक अंदाज में देशभर

भव्य रामराज्य में भव्य अंबानी शादी!

श्रुति व्यास

पिछले हफ्ते भारत का मीडिया जामनगर में था। वहां से सभी को एक भव्य और राजसी लेकिन निहायत देसी श्प्री–वेडिंगच समारोह दिखलाई दिए। यह समारोह शानदार था तो आंखों को हैरान करने वाला भी।इसलिए क्योंकि भारत बनते इंडिया की भारतीयता की नई झलक दिखी। सोशल मीडिया पर हालिया दौर के इस सबसे बड़े प्री–वेडिंग समारोह के फोटो और वीडियो का सैलाब है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की होने वाली शादी के इस जश्न में सार्वजनिक रूप से क्या हो रहा है, वह तो दिलचस्पी का विषय था ही, अन्दर की खबरें भी खघसा आकर्षक थीं। सब इसमें डूबे रहे। और यदि सोशल मीडिया के आधार पर देश के मूड का अंदाजा लगाया जाए तो जनता को इसके बारे में छोटी से छोटी बात जानने में भी मजा आया। और ऐसा क्यों न हो? राधिका मर्चेंट के रूप में देश को एक नई स्टायिलिश, आकर्षक और साथ में संस्कारी बहू मिल गई है।

वहीं अनंत जमीन से जुड़ा हुआ आदर्श बेटा है। जिंदगी के सिर्फ फूलों की सेज न होने बल्कि कांटों भरी (उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण) बताने वाला उनका वीडियो, माता–पिता के प्रति स्नेह का उनका इजहार एवं उनका शुक्रगुजार होने वाली बातों ने लोगों के दिलों को छूआ।कह सकते है यह आधुनिकता और परंपराओं का बेहतरीन मिक्स था। इससे बेहतर कुछ हो सकता है क्या?

यदि हम अंतर्राष्ट्रीय मीडिया के कवरेज की बात करें तो मुझे अंतर्राष्ट्रीय सुर्खियां बटोरने वाला जो पिछला विवाह याद आता है वह 2004 में हुआ था।वह विवाह था उद्योगपति लक्ष्मी मित्तल की बेटी वनीशा मित्तल का। इसे तब तक की सबसे खर्चीली शादी बताया गया था जिसमें 240 करोड़ रूपये खर्च हुए थे। शादी पेरिस के वर्साय में 17वीं शताब्दी में निर्मित एक ऐतिहासिक महल में हुई थी जिसे लुई 14वें के वित्तमंत्री के लिए बनवाया गया था।उस शादी के हर कार्यक्रम में चप्पे–चप्पे पर राजसी ठाठ नजर आता था। काइली मिनोग का म्यूजिक शो हुआ और बालीवुड तथा कारोबार की दुनिया की सभी बड़ी हस्तियां शादी में शामिल हुईं।

लेकिन अंबानी के छोटे बेटे की प्री–वेडिंग इससे बढ़–चढ़कर थी। निश्चित ही इसमें वनीशा की शादी में खर्च हुए 240 करोड़ रूपये से बहुत अधिक रकम खर्च हुई होगी। यह उस शादी की तुलना में बहुत बड़ी इसलिए थी क्योंकि यह सिर्फ एक उत्सव नहीं थी बल्कि यह एक मेला था। और जो बात इसे अलग बनाती है वह है इसका माहौल जो हमें एक नए दौर के आने का संदेश देता है।

सारी तड़क–भड़क और शान–शौकत के बीच सारे कार्यक्रम संस्कृति और संस्कार में रचे–बसे थे, धर्म और सभ्यता दर्शा रहे थे। यह भारतीयता के ठप्पे वाली धूमधाम और तमाशा था और 2024 के भारत की भारतीयता से सारी दुनिया को परिचित कराने वाला आयोजन था।

इसकी शुरूआत 2022 में हुई जब अनंत और राधिका की सगाई राजस्थान के नाथद्वारा के श्रीनाथजी मंदिर में हुई। सगाई के पहले अंबानी परिवार ने राधिका की अरंगेत्रम रस्म के कार्यक्रम की मेजबानी की। एक प्रशिक्षित भरतनाट्यम नृत्यांगना बतौर यह राधिका की नृत्य की शिक्षा पूर्ण होने का कार्यक्रम था।

इस मौके पर कलाकार पहली बार मंच पर प्रस्तुति देता है। इसके बाद जामनगर में प्री–वेडिंग से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। जामनगर के बारे में बहुत लोग नहीं जानते थे। लेकिन आज यह शहर अंबानी की वजह से दुनिया के नक्शे पर आ चुका है। ये सारी छोटी–छोटी बातें मिलकर एक बड़ी तस्वीर बनाती हैं। जामनगर, एक तरह से अयोध्या की सीरीज का आयोजन था।वस्तुतरू जामनगर पर अंबानी परिवार का लगभग कब्जा है। उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज यहां दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक चलाती है। और वह शहर के बाहरी इलाके में दुनिया का सबसे बड़ा चिडियाघर बना रही है। इस परियोजना का नेतृत्व अनंत अंबानी कर रहे हैं। इसे श्वनताराय नाम दिया गया है। और यह जामनगर रिफाइनरी काम्पलेक्स में 3,000 एकड़ के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें हाथियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और शेर, चीता, तेंदुआ और मगरमच्छ सहित विभिन्न पशुओं

के लिए अति आधुनिक ठिकाने होंगे।

वनतारा का उद्घाटन 26 फरवरी को हुआ और इसी दिन अनंत अंबानी को जनता के सामने प्रस्तुत किया गया। इंडिया टुडे के एंकर को दिए गए एक साक्षात्कार के माध्यम से दुनिया को अनंत अंबानी और उनके श्वनताराश को दिखाया गया। इस कार्यक्रम द्वारा उनकी महत्वाकांक्षाओं, उनके अरमानों और इस परियोजना के प्रति उनके लगाव और लड़कपन से दूर उनके शांत स्वभाव और विनम्रता से दुनिया को परिचित कराया गया।

अंबानी परिवार के संरक्षण में जामनगर में निश्चित ही जबरदस्त बदलाव है। इस कार्यक्रम में दुनिया की बड़ी–बड़ी हस्तियों को जमा कर उन्हें यह संदेश दिया गया है कि अंबानी परिवार और भारत अब कितने शक्तिशाली और समृद्ध हो गए हैं। चकाचौंध वाले जश्न भरे तीन दिनों के आयोजन में बहुत से अनुष्ठान और रस्में पूरी की गईं, नाच–गाने और खाने–पीने के पहले पूजा और आरती, तथा देवताओं के स्तुतिगान हुए।

नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) द्वारा इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया गया जिसका शीर्षक था श्प्परंपराओं को निभाते हुए और देवी मां का आव्हान करते हुए श्रीमती नीता अंबानी द्वारा विश्वंभरी स्तुति की प्रस्तुति दी गई जो शक्ति और बल की जीवंत प्रतीक मां अंबा को समर्पित एक प्रार्थना है। वे बचपन से ही नवरात्रि के दौरान इस प्रार्थना को सुनती आ रही हैं। विशाल मंदिरों की कई तस्वीरें दिखाई गईं और मंत्र और भजन सुनाए गए।इस तरह अंबानी परिवार की मेजबानी में हुआ यह आयोजन देश के मूड के प्रदर्शन का अवसर बना। आखिरकार 22 जनवरी के बाद भारत में रामराज्य आ गया है। हर व्यक्ति सभ्यता और धर्म में रच–बस गया है। परंपराओं को महत्व दिया जाने लगा है। हिंदू अब पहले से अधिक हिंदू बन गए हैं।

ऐसे बहुत से लोग हो सकते हैं जो इन परंपराओं से सहमत न हों या उनसे स्वयं को न जोड़ पा रहे हों जिन्हें अंबानी परिवार द्वारा इतने आडम्बर और भव्यता के साथ प्रदर्शित किया गया, लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ज्यादातर लोगों को यह पसंद आया होगा। यही कारण है कि जामनगर से आ रही तस्वीरें और वीडियो सभी को अच्छे लगे। शक्ति और धन के इस भव्य प्रदर्शन को लेकर लेकर शायद एक भी व्यंग्य, ईर्ष्या या निंदा का स्वर सामने नहीं आया। बल्कि ट्रोल्स ने ऐसे मीम बनाए जिनका सार यह था कि केवल अंबानी ही तीनों खानों को कोई फीस दिए बिना एक साथ नचवा सकते हैं।

संभवतरू इसी वजह से मुकेश और नीता अंबानी को आधुनिक समय का डान बताते हुए एक वीडियो सामने आया। यह ठीक ही है। मुकेश और नीता ने गर्व से पश्चिम के बड़े उद्योगपतियों को यह सिखाया कि शान और ऐश्वर्य भरी जिंदगी कैसी होती है।भारत बदल गया है। सन् 2024 में वह पहले जैसा देश नहीं है। वह दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसमें ऐसे कारोबारी रहते हैं जिनका टर्नओवर कई पड़ोसी देशों के जीडीपी से ज्यादा है। इसलिए यदि अंबानी अपनी ताकत और समृद्धि का प्रदर्शन करते हैं, अपनी संपदा दिखाते हैं, तो यह हर भारतीय के लिए गर्व की बात है।जहां तक विवाह उद्योग का सवाल है, अनंत और राधिका के विवाह ने रामराज्य में शादी का एक नया पैमाना निर्धारित कर दिया है।सो, परंपराओं केऐसे भड़कीले प्रदर्शन देखने के लिए और तैयार हो जाईए।

आज का राशिफल

मेष राशि–आज रूके हुए काम पूरे हो सकते हैं। अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए दिन आज का दिन बेहतर है। आज आपकी जिम्मेदारी बढ़ेगी। आज रचनात्मक कामों के लिहाज से समय अच्छा है। मन में कई नए विचार आ सकते हैं। किसी अनजाने के सहयोग से काम पूरा हो सकता है। कुछ लोगों का ध्यान आप पर रहेगा।

वृष राशि–आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे। पैसों से जुड़ा आपने जो फैसला लिया था, आज उसके सुखद परिणाम मिल सकते हैं। तरक्की के कुछ ऐसे मामले सामने आएंगे, जिसमें जीवनसाथी की सलाह आपके लिये फायदेमंद रहेगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन काफी बढिया रहेगा।

मिथुन राशि–आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रगति के लिए आज का दिन अनुकूल है। धन लाभ हो सकते हैं। परिश्रम का पूरा–पूरा लाभ मिलेगा। वैवाहिक समस्याओं का समाधान हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कर सकते हैं। समाज में मान–प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी होगी। आज मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि–आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। परिवार में आज किसी सदस्य से थोड़ा विवाद हो सकता है। बेहतर होगा आज बेवजह किसी बातों में दखल देने से बचें। इस राशि के स्टूडेंट्स को आज परीक्षा में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आप परिवार के साथ कहीं बाहर घूमने जा सकते हैं। व्यापार मध्यम स्तर पर रहेगा।

सिंह राशि–आज आपका दिन मिला–जुला रहेगा। आज कोई बड़ा कदम उठाने से बचें। आपको कोई फैसला लेने में समयसा महसूस हो सकती है। आज कोई पुराना विवाद सामने आ सकता है। संतान की शिक्षा में उन्नति होने की संभावना है। पढ़ाई के प्रति उनकी गंभीरता बढ़ेगी।

कन्या राशि–आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया करेंगे। सफलता जरूर हासिल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आप स्वस्थ महसूस करेंगे। अगर आप निवेश करना चाहते हैं, तो किसी की मदद लें, अच्छा रहेगा। परिवार में किसी धार्मिक आयोजन की रूपरेखा बनेगी। किसी से उपहार मिल सकता है।

तुला राशि–आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज आपकी कुछ चिंताएं आपके लिए रूकावटें बन सकती हैं।

अनियमित दिनचर्या के कारण आलस्य और थकान हो सकती है। अपने काम को न टालें। बेहतर होगा समय से काम पूरा कर लें। ओवर कॉन्फिडेंस जैसी स्थिति बन सकती है, इससे बचकर रहें। आपके जीवनसाथी के कामकाज को लेकर व्यस्तता आपकी उदासी का कारण बन सकती है।

वृश्चिक राशि–आज मित्रों के सहयोग से रूके हुए काम पूरे हो सकते हैं। घर पर अचानक कोई मेहमान आ सकते हैं। शाम तक घर में किसी छोटी पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। पुराने दोस्तों से मिलने का मौका मिल सकता है। आपको बिजनेस में मुनाफा होगा। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग बने हुए हैं।

धनु राशि–आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपका अधिकतर समय बच्चों के साथ व्यतीत होगा। आप सकारात्मक रहेंगे और आपके मन में कई उम्मीदे भी बनी रहेंगी। कुछ नया काम करेंगे। अपने जीवन में अच्छा खासा सुधार कर सकते हैं।

मकर राशि–आज कोई नया काम शुरू करने से बचें। इस राशि के छात्रों को आज अधिक मेहनत करनी की जरूरत है। आज आपके कुछ काम अटक सकते हैं। इस राशि के मीडिया से जुड़े लोगों को आज थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कुंभ राशि–आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आपकी सेहत अच्छी रहेगी। भौतिक सुख–सुविधाओं की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। आपकी व्यक्तिगत समस्याएं हल होंगी। आज किसी भी काम के बारे में गहराई से विचार करेंगे, तो नतीजे आपके फेवर में आ सकते हैं।

मीन राशि–आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लग सकता है। शाम तक किसी धार्मिक आयोजन में भी जा सकते हैं। कामकाज से जुड़ी परेशानियां खत्म हो सकती हैं। आपको कोई सरप्राइज मिल सकता है। लाभ के साधनों में कमी आ सकती है। माता–पिता का सहयोग प्राप्त होने का योग है। कामकाज के क्षेत्र में परिवार का सहयोग प्राप्त हो सकता है।

उकसा रहा था मालदीव, भारत ने उठा लिया पहला कदम

क्षद्वीप में भारतीय नौसैनिक अड्डे का निर्माण पूरा होने का मतलब है कि अब जल्द ही राफेल जैसे भारत के सबसे घातक फाइटर जेट लक्षद्वीप में उतर सकेंगे। यहीं नहीं भारतीय लड़ाकू विमानों की ये गर्जना मालदीव के मुइज्जू के रास्ते चीन तक सुनाई देगी। चीन ने मालदीव में लंगर डाला तो उसे लगा कि भारत कुछ नहीं करेगा। मालदीव ने पहले तो भारतीय सैनिकों को दिल्ली का रास्ता दिखाया फिर हाइड्रोग्राफिक सर्वे एग्रीमेंट रिन्यु करने की बात से पल्ला झाड़ा तो उसे लगा कि भारत खामोशी से सब सह लेगा। लेकिन भारत ने बड़ा खेल कर चीन और मालदीव दोनों की ही नींद उड़ा डाली है। श्जटायु आतंकवाद से लड़ने वाला पहला व्यक्ति थाश। लखनऊ की ऐशबाग रामलीला कार्यक्रम में पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी के बिल्कुल यही शब्द थे। अब मोदी सरकार ने तय किया है कि अगाती और मिनिकॉय आइलैंड पर नौसैनिक बेस बनाया जाएगा। विश्लेषकों का कहना है कि भारत का ये नेवल बेस अरब सागर में एक तरह से मालदीव का विकल्प है। लक्षद्वीप में भारतीय नौसैनिक अड्डे का निर्माण पूरा होने का मतलब है कि अब जल्द ही राफेल जैसे भारत के सबसे घातक फाइटर जेट लक्षद्वीप में उतर सकेंगे। यहीं नहीं भारतीय लड़ाकू विमानों की ये गर्जना मालदीव के मुइज्जू के रास्ते चीन तक सुनाई देगी। क्या है आईएनएस जटायु एक देश अपनी सुरक्षा तीन तरह से कर पाता है। थल सेना, वायु सेना और नौसेना के जरिए। इन्हें सशक्त करके ही देश अपने सुरक्षाबल को मजबूत कर पाता है। भारतीय नौसान ने 6 मार्च को मिनिकॉय द्वीप पर दूसरे नौसैनिक बेस की शुरुआत की है। ये आईएनएस जटायु है। ये नेवल बेस किन मायनों में भारत के लिए फायदेमंद होगा आइए आपको बताते हैं। जटायु बेस मालदीव से 524 किलोमीटर दूर है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने इस बेस की शुरुआत की है। आईएनएस जटायु को कमांडेंट व्रत बघेल की कमान में शामिल किया गया है। मालदीव के साथ भारत की स्थिति के बाद लक्षद्वीप रणनीतिक तौर पर भी और ज्यादा खास बन गया है। लक्षद्वीप रणनीतिक रूप से कितना अहम ? मलयालम और संस्कृत भाषा में लक्षद्वीप का मतलव है एक लाख द्वीप। यह कोच्चि से 440 किमी. दूर 36 द्वीपों का समूह है। इसका कुल क्षेत्रफल 32 वर्ग किलोमीटर है। लक्षद्वीप हिंद महासागर और अरव सागर में कोरलाइन द्वीपों की चेन का हिस्सा है। इसमें दक्षिण में मालदीव है। हिंद महासागर में स्थिति को देखते हुए लक्षद्वीप रणनीतिक रूप से बेहद अहम है।

पाकिस्तान के पंजाब में पहली बार कोई सिख बना मंत्री, जानिए कौन हैं सरदार रमेश अरोड़ा?

अरोड़ा नारोवाल जिले से हैं और उन्हें पंजाब प्रांतीय कैबिनेट में अल्पसंख्यक विभाग आवंटित किया गया है। इस बीच, पंजाब के एक अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक सदस्य खलील ताहिर सिंधु को भी अरोड़ा के साथ प्रांतीय कैबिनेट में शामिल किया गया है। सिंधु को मानवाधिकार विभाग सौंपा गया है। मरियम नवाज शरीफ के साथ अपनी पहली महिला मुख्यमंत्री बनने के बाद, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक और ऐतिहासिक क्षण देखा गया जब रमेश सिंह अरोड़ा मुस्लिम–बहुल प्रांतीय कैबिनेट में शपथ लेने वाले पहले सिख मंत्री बने। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) के विधायक अरोड़ा अपने तीसरे कार्यकाल के लिए प्रांतीय विधानसभा के लिए चुने गए थे, लेकिन यह पहली बार है कि उन्हें कोई मंत्रालय मिला है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अरोड़ा नारोवाल जिले से हैं और उन्हें पंजाब प्रांतीय कैबिनेट में अल्पसंख्यक विभाग आवंटित किया गया है। इस बीच, पंजाब के एक अन्य धार्मिक अल्पसंख्यक सदस्य खलील ताहिर सिंधु को भी अरोड़ा के साथ प्रांतीय कैबिनेट में शामिल किया गया है। सिंधु को मानवाधिकार विभाग सौंपा गया है। जेल में बंद पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) ने भी महेंद्र पाल सिंह के रूप में पंजाब विधानसभा में एक सिख एमपीए पेश किया था, लेकिन वह 2024 में विधानसभा में नहीं लौट सके क्योंकि पार्टी सुरक्षित करने में असमर्थ थी। यह आरक्षित सीटों का कोटा है। 1970 के बाद से विभिन्न राजनीतिक दलों या गठबंधनों, जैसे पीएमएल–एन, पाकिस्तान पीपल्स पार्टी, इस्लामी जम्हूरी इत्तेहाद, पाकिस्तान मुस्लिम लीग कायद और पीटीआई ने सरकारें बनाई हैं। हालाँकि, पीएमएल–एन पहले सिख एमपीए को सदन में लाने और उन्हें कैबिनेट में शामिल करने वाली एकमात्र पार्टी के रूप में खड़ी है। अरोड़ा का जन्म ननकाना साहिब में हुआ था और उन्होंने लाहौर के सरकारी कॉलेज विश्वविद्यालय से उद्यमिता और एसएमई प्रबंधन में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। उनका परिवार करतारपुर में सिख पवित्र स्थलों की सुरक्षा और कल्याण से जुड़ा रहा है। वह 2013 से 2018 तक पंजाब प्रांतीय कैबिनेट में अपने पहले कार्यकाल के दौरान पाकिस्तान के पहले सिख राजनेता बने। उन्होंने पहले पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (पीएसजीपीसी) के महासचिव, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य के रूप में कार्य किया। राष्ट्रीय सद्भाव मंत्रालय और पंजाब में इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के सदस्य।

पाकिस्तान का विदेशी श्रण पहली छमाही में 1.2 अरब डालर बढ़ा

मंत्रालय के हवाले से समाचारपत्र 'द डॉन' में बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल बाहरी सार्वजनिक ऋण का लगभग 64 प्रतिशत रियायती शर्तों और लंबी परिपक्वता अवधि वाले बहुपक्षीय और द्विपक्षीय स्रोतों से मिला था। पाकिस्तान पर मार्च, 2023 तक बाह्य सार्वजनिक ऋण 85.18 अरब डॉलर था। इस्लामाबाद। नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान का विदेशी सार्वजनिक ऋण पिछले साल अप्रैल–सितंबर की अवधि में 1.2 अरब डॉलर बढ़कर 86.35 अरब डॉलर से अधिक हो गया जिसमें विश्व बैंक और चीन की सबसे बड़ी हिस्सेदारी रही। आर्थिक मामलों के मंत्रालय ने चालू वित्त वर्ष के लिए विदेशी आर्थिक मदद पर जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक, पाकिस्तान को जुलाई–सितंबर, 2023 में 1.5 अरब डॉलर के ऋण भुगतान के मुकाबले 3.5 अरब डॉलर का कुल विदेशी धन मिला जिससे शुद्ध प्रवाह 1.97 अरब डॉलर का रहा। इसके साथ सितंबर, 2023 तक पाकिस्तान सरकार का कुल बाहरी सार्वजनिक ऋण बढ़कर 86.35 अरब डॉलर हो गया। मंत्रालय के हवाले से समाचारपत्र 'द डॉन' में बृहस्पतिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुल बाहरी सार्वजनिक ऋण का लगभग 64 प्रतिशत रियायती शर्तों और लंबी परिपक्वता अवधि वाले बहुपक्षीय और द्विपक्षीय स्रोतों से मिला था। पाकिस्तान पर मार्च, 2023 तक बाह्य सार्वजनिक ऋण 85.18 अरब डॉलर था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने वित्त वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही में 64.2 करोड़ डॉलर के नए ऋण समझौतों पर हस्ताक्षर किए थे और सभी नई प्रतिबद्धताओं को बहुपक्षीय विकास भागीदारों द्वारा वित्तपोषित किया गया था। पाकिस्तान को कर्ज देने वाले बहुपक्षीय संस्थानों में विश्व बैंक 30.6 करोड़ डॉलर के साथ सबसे आगे रहा जबकि चीन 50.9 करोड़ डॉलर के साथ अग्रणी द्विपक्षीय ऋणदाता बनकर उभरा।

आंतरिक मामले में दखल न दें, नहीं तो निष्कासित कर दिया जाएगा, अमेरिकी राजदूत को रूस का सख्त संदेश

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह चुनाव से संबंधित षविध्वंसक कार्रवाइयों और सूचना के प्रसारष पर नजर रखेगा और क्रेमलिन यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान को क्या कहता है। रूसी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि उसने मॉस्को में अमेरिकी राजदूत लिन ट्रेसी को यह चेतावनी देने के लिए बुलाया था कि वह अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाले अमेरिकी राजनयिकों को निष्कासित कर देगी। मॉस्को ने 15–17 मार्च को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले चेतावनी जारी की, जिसमें 20 वर्षों से अधिक समय तक रूस के सर्वोपरि नेता राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अप्रत्याशित प्रगति के कारण जीत निश्चित है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि वह चुनाव से संबंधित षविध्वंसक कार्रवाइयों और सूचना के प्रसारष पर नजर रखेगा और क्रेमलिन यूक्रेन में अपने विशेष सैन्य अभियान को क्या कहता है। इसमें कहा गया है कि इस तरह के व्यवहार को दृढ़ता से और दृढ़ता से दबा दिया जाएगा, जिसमें ऐसे कार्यों में शामिल संयुक्त राज्य दूतावास के कर्मचारियों को श्पर्सोना नॉन ग्राटाश के रूप में निष्कासन भी शामिल है। विदेश मंत्रालय ने यह भी मांग की कि अमेरिकी दूतावास तीन अमेरिकी गैर–लाभकारी संस्थाओं का समर्थन करना बंद कर दे, जिनके बारे में उसने कहा था कि वे देश में रूसी विरोधी कार्यक्रम चला रहे थे, जिसका उद्देश्य ष्शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान–प्रदान की आड़ में श्प्रभाव के एजेंटोंश की भर्ती करना था।

अदन की खाड़ी में कैसे हूतियों से भिड़ गई भारतीय सेना, 21 चालक दल सदस्यों को बचाया

समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस कोलकाता शाम 4.45 बजे स्थान पर पहुंचा और हेलीकॉप्टर और नौकाओं का उपयोग करके एक भारतीय नागरिक सहित 21 चालक दल को बचाया। अदन की खाड़ी में यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा उनके मालवाहक जहाज पर मिसाइल से हमला किए जाने के बाद भारतीय नौसेना द्वारा बचाए गए 21 चालक दल के सदस्यों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। भारतीय नौसेना ने ट्वीट किया कि आईएनएस कोलकाता ने अभिन्न हेलीकॉप्टर और नौकाओं का उपयोग करके चालक दल को बचाया और उन्हें महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता भी प्रदान की। एक्स पर नौसेना ने कहा कि बचाए गए चालक दल के सदस्यों को आईएनएस कोलकाता द्वारा जिबूती ले जाया गया। समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस कोलकाता शाम 4.45 बजे स्थान पर पहुंचा और हेलीकॉप्टर और नौकाओं का उपयोग करके एक भारतीय नागरिक सहित 21 चालक दल को बचाया। नौसेना के एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, घायल चालक दल को महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। बारबाडोस के ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर अदन की खाड़ी में हूतियों द्वारा हमला किया गया, जिसमें तीन चालक दल मारे गए और शेष सदस्यों को जहाज छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। गाजा पट्टी में चल रहे इजराइल–हमास युद्ध को लेकर ईरान समर्थित यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा जहाजों पर किए गए हमलों की श्रृंखला में यह पहला घातक हमला था। ताजा हमले से एशिया और मध्य पूर्व को यूरोप से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर तनाव और बढ़ गया है जिससे वैश्विक शिपिंग बाधित हो गई है। हूति विद्रोहियों ने पिछले साल नवंबर से कई हमले किए हैं और अमेरिका ने जनवरी में हवाई हमले का अभियान शुरू किया था, जो अब तक हमलों को रोक नहीं सका है। हाल ही में हुए हमले वाले मालवाहक जहाज का जिक्र करते हुए अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने कहा कि एक मिसाइल ने श्ट्रू कॉन्फिडेंसश पर हमला किया, जिससे जहाज को भारी नुकसान हुआ। तीन मौतों के अलावा, कम से कम चार चालक दल के सदस्य घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। अमेरिकी सेना द्वारा जारी की गई दो हवाई तस्वीरों में जहाज का पुल और उसमें रखा माल आग की लपटों में जलता हुआ दिखाई दे रहा है। इस बीच, पिछले कुछ हफ्तों में, भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में कई व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद उन्हें सहायता प्रदान की है।

रूस–यूक्रेन युद्ध में गई भारतीय की जान, ऐसे हो गए थे धोखे से पुतिन की सेना में भर्ती

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफसान की अपने परिवार से आखिरी वीडियो कॉल 31 दिसंबर को हुई थी। बता दें कि तेलंगाना का एक और 23 वर्षीय मोहम्मद सुफियान भी अफसान की तरह ही घोटाले का शिकार हुआ था, जो दुबई की एक पैकेजिंग कंपनी में 30,000 रुपये प्रति माह कमाता था। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध दो वर्षों से जारी है और अब भी खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों ही देश एक दूसरे के खिलाफ मजबूत बढ़ोतरी बनाने के लिए अपनी रणनीति को बदलते जा रहे है। इसी बीच रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान ही एक भारतीय युवक की मौत हो गई है। अब इस भारतीय के शव को स्वदेश वापस लाने की कोशिश की जा रही है। वैसे ये पहला मौका नहीं है जब युद्ध में किसी भारतीय की हत्या हुई है। बता दें कि युद्ध में जिस युवक की हत्या हुई है उसकी पहचान 30 वर्षीय मोहम्मद असफान के तौर पर हुई है। मोहम्मद असफान रूस की सेना में सहायक के तौर पर तैनात हुआ था। उसे एक एजेंट ने धोखे से सेना के साथ लड़ने के लिए भर्ती कर लिया था। रूस की सेना के लिए काम करते हुए ही मोहम्मद अफसान ने अपनी जान गंवाई है। जानकारी के मुताबिक इस एजेंट ने कथित तौर पर अफसान को भी युद्ध में भेजा था। अफसान के घर में दो बच्चे और उसकी पत्नी है।वहीं भारतीय की मौत के बाद रूस में भारतीय एंबेसी ने बयान भी जारी किया है। एंबेसी ने बयान में कहा कि हमें एक भारतीय नागरिक श्री मोहम्मद अफसान की दुखद मृत्यु की जानकारी मिली है। हम परिवार और रूस के अधिकारियों के साथ संपर्क में है। उनके पार्थिव शरीर को भारत लाए जाने के प्रयास किए जा रहे है। बता दें कि नौकरी घोटाले का शिकार होने के बाद 30 वर्षीय व्यक्ति को रूसी सेना में शामिल होने के लिए धोखा दिया गया था। अफसान की मौत रूसी सेना में श्सहायकश के रूप में काम करने वाले 23 वर्षीय भारतीय की यूक्रेनी हवाई हमले में मौत के कुछ हफ्ते बाद हुई है।कई भारतीय रूसी सेना की गिरफ्त मेंमोहम्मद अफसान की मौत की खबर आने से पहले ही ये जानकारी मिली थी कि रूस की सेना ने कथित तौर पर सात भारतीयों को गिरफ्तार किया है। इन सभी भारतीयों को कथित तौर पर यूक्रेन की सेना के साथ युद्ध लड़ने के लिए भेजा जा रहा है। बता दें कि ये भी जानकारी आई थी कि कई भारतीय युक्रेन की सेना के साथ युद्ध लड़ने के लिए धोखे से सेना में शामिल किए जा रहे है। इन सभी भारतीयों को रूस की सेना फ्रंटलाइन पर युद्ध में युक्रेन के खिलाफ लड़ने के लिए मैदान में उतार रही है।हैदराबाद का था अफसान मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अफसान मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला था। वो मूल रूप से हैदराबाद के बाजार घाट से ताल्लुक रखता था। वाणिज्य स्नातक अफसान पहले पुरुषों के कपड़ों की दुकान में काम करता था। अफसान काम करने के लिए दिसंबर में रूस गया था जहां हेल्पर की नौकरी करनी थी। अन्य युवाओं की तरह, उन्हें शुरुआती तीन महीनों के लिए प्रति माह 45,000 रुपये का वेतन देने का वादा किया गया था, जो धीरे–धीरे बढ़कर 1.5 लाख रुपये हो जाएगा। एक साल तक काम करने के बाद वह रूसी पासपोर्ट और नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते थे। यह एक आकर्षक प्रस्ताव था और दुर्भाग्य से वे इसके झांसे में आ गये। अफसान 9 नवंबर को मॉस्को के लिए रवाना हुआ। मीडिया के मुताबिक अफसान चेन्नई और शारजाह के रास्ते मॉस्को गया था। ये भी कहा गया कि उन्हें धोखा दिया गया था। उन्हें भर्ती करने वाले एजेंट ने कहा कि वे मास्को में ही काम करेंगे। मगर उन्हें 15 दिनों की ट्रेनिंग देने के बाद उन्हें यूक्रेन भेजा गया और यहां रूसी सैनिकों के साथ रहने के लिए मजबूर किया गया। बता दें कि ट्रैवल एजेंट, जिसका बाबा व्लॉग्स नाम का यूट्यूब चौनल है, ने वादा किया था कि अफसान अग्रिम मोर्चे पर नहीं लड़ेगा। 13 नवंबर को, उनसे एक साल के समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया, जो रूसी में था, एक ऐसी भाषा जिसे वह नहीं जानता था। एजेंट पर विश्वास करते हुए उसने समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अफसान ने एजेंट को तीन लाख रुपये भी दिए थे। मगर मॉस्को पहुंचने के बाद अफसान को यूक्रेन सीमा से 100 किलोमीटर दूर रोस्तोव–ऑन–डॉन भेजा गया। हालांकि अफसान की मौत की जानकारी अब मिली, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसकी मौत कैसे और कहां हुई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफसान की अपने परिवार से आखिरी वीडियो कॉल 31 दिसंबर को हुई थी। बता दें कि तेलंगाना का एक और 23 वर्षीय मोहम्मद सुफियान भी अफसान की तरह ही घोटाले का शिकार हुआ था, जो दुबई की एक पैकेजिंग कंपनी में 30,000 रुपये प्रति माह कमाता था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूफियान के भाई सैय्यद सलमान का कहना है कि वह फैसल खान नाम के एक एजेंट के संपर्क में आया, जो एक यूट्यूब चौनल चलाता है, और उसे मॉस्को में इस नौकरी के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया और कहा गया कि वह कभी अधिक नहीं कमा पाएगा।

पाकिस्तान में आरक्षित सीटों के लिए क्यों तेज हुई लड़ाई ? HC ने शपथ ग्रहण पर रोक को 13 मार्च तक बढ़ा दिया

पेशावर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद परिषद को वंचित आरक्षित सीटों पर अधिसूचित सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह पर रोक आदेश 13 मार्च तक बढ़ा दिया। अदालत का यह आदेश आरक्षित सीटों के आवंटन को लेकर एसआईसी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के लिए ताजा झटका है। पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने घोषणा की कि पीटीआई समर्थित सुन्नी इत्तेहाद परिषद (एसआईसी) राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं में आवंटित आरक्षित सीटों का दावा नहीं कर सकती है। अपने चुनावी चिह्न पर प्रतिबंध के कारण हालिया चुनाव लड़ने में असमर्थ पीटीआई ने अपने उम्मीदवारों को नेशनल असेंबली में अपनी संख्यात्मक ताकत बढ़ाने के लिए दक्षिणपंथी धार्मिक पार्टी में शामिल होने का निर्देश दिया। वहीं अब पेशावर उच्च न्यायालय ने पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद परिषद को वंचित आरक्षित सीटों पर अधिसूचित सांसदों के शपथ ग्रहण समारोह पर रोक आदेश 13 मार्च तक बढ़ा दिया। अदालत का यह आदेश आरक्षित सीटों के आवंटन को लेकर एसआईसी की याचिका पर सुनवाई के दौरान आया। मामले की सुनवाई उपरोक्त तिथि तक स्थगित करते हुए अदालत ने पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान को अगली सुनवाई पर अदालत में पेश होने के लिए भी बुलाया। एक दिन पहले 22 पेज के फैसले में पांच सदस्यीय चुनावी निकाय ने 4–1 से निर्णय लिया कि एसआईसी 8 फरवरी के चुनाव के दो सप्ताह बाद, 22 फरवरी की ईसीपी की समय सीमा से पहले आरक्षित उम्मीदवारों के लिए पार्टी सूची प्रस्तुत करने में विफल रही। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में कुल 70 आरक्षित सीटें हैं जिन्हें आम चुनावों में उनके प्रदर्शन के आधार पर पार्टियों के बीच वितरित किया जाता है। इसी प्रकार, चार प्रांतीय विधानसभाओं में कुल मिलाकर 149 आरक्षित सीटें हैं जो समान रूप से वितरित हैं। एसआईसी ने आरक्षित सीटों के लिए एलएचसी का रुख किया एसआईसी के अध्यक्ष हामिद रजा ने गुरुवार को एनए में आरक्षित सीटों पर पार्टी के अधिकार का दावा करने के लिए लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) का रुख किया। याचिका में एसआईसी ने ईसीपी और अन्य को पक्षकार के रूप में शामिल किया है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा मामलों के पेशेवर मामलों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया गया। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बुधवार को पहली बार मुलाकात की और पेशेवर तथा सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।इ पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना ने एक दिन पहले ही शहबाज शरीफ को पद संभालने पर बधाई दी थी। सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने इस्लामाबाद में प्रधानमंत्री आवास परशहबाज शरीफ को बधाई देने के लिए मुलाकात की और देश के 24वें मुख्य कार्यकारी के रूप में पदभार संभालने के लिए उन्हें शुभकामनाएं दीं।द पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए आम चुनाव के लगभग एक महीने बाद शहबाज ने सोमवार को औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, पाकिस्तानी सेना और सुरक्षा मामलों के पेशेवर मामलों पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया गया। यह भी कहा गया कि बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा समेत अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर, सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री को उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं।।

आईपीएल के लिए प्री–रजिस्ट्रेशन शुरू, टिकट बुकिंग से जुड़ी पूरी जानकारी

22 मार्च नजदीक आ रही हैं वैसे ही टूर्नामेंट के लिए फैंस की दीवानगी और उत्साह बढ़ता दिख रहा है। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सितारों के एक्शन में होने के कारण, भारतीय फैंस खेल के महान खिलाड़ियों हर कोई देखना चाहता है। वहीं आईपीएळ के लिए टिकट बुक कैसे करें यहां जानें। आईपीएल 2024 सीजन शुरू होने में अब बस कुछ ही दिन शेष हैं। जैसे–जैसे 22 मार्च नजदीक आ रही हैं वैसे ही टूर्नामेंट के लिए फैंस की दीवानगी और उत्साह बढ़ता दिख रहा है। एमएस धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सितारों के एक्शन में होने के कारण, भारतीय फैंस खेल के महान खिलाड़ियों हर कोई देखना चाहता है। वहीं आईपीएळ के लिए टिकट बुक कैसे करें यहां जानें। फिलहाल, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स ने टिकटों का प्री–रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। फैंस अपनी पसंदीदा टीम को एक्शन में देखने का मौका देने के लिए पैटीम इनसाइडर की वेबसाइट, ऐप और आउटलेट पर जा सकते हैं। लखनऊ और गुजरात ने भी अपनी वेबसाइटों पर पूर्व रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। भी शुरू करेगा टिकटों की बुकिंग इसी कड़ी में टिकट ठववाउलौवू प्लेटफॉर्म पर चार चारणों में खरीदने के लिए उपलब्ध होंगे। पहले चरण में, फैंस स्लाइस यूपीआई खरीदने पर 6 मार्च से टिकटों का लाभ उठा सकते हैं। दूसरे चरण में गोल्ड, सिल्वर और जूनियर सदस्यों के लिए विशेष टिकट की सुविधा होगी, जो 9 मार्च से शुरू होगी। जबकि सीएसके, हैदराबाद, राजस्थान और आरसीबी के लिए भी आधिकारिक टिकटिंग पार्टनर पेटीएम इनसाइडर ही होगा। लेकिन इन टीमों की प्री रजिस्ट्रेशन और बुकिंग की तारीखें अभी आना बाकी हैं।

आईपीएल 2024 के लिए मुंबई इंडियंस ने लान्च की नई जर्सी,

बसे सफल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 17वें सीजन के लिए नई जर्सी लॉन्च की है। ये जर्सी फेमस डिजाइनर मोनिशा जयसिंग द्वारा डिजाइन की है। मुंबई इंडियंस ने अब घोषणा की है कि स्केचर्स आईपीएल 2024 से पहले उनकी जर्सी का स्पांसर केरंगे। इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 17वें सीजन के लिए नई जर्सी लॉन्च की है। ये जर्सी फेमस डिजाइनर मोनिशा जयसिंग द्वारा डिजाइन की है। मुंबई इंडियंस ने अब घोषणा की है कि स्केचर्स आईपीएल 2024 से पहले उनकी जर्सी का स्पांसर केरंगे। वहीं बता दें कि, पहले एडिडास मुंबई इंडियंस के लिए जर्सी बनाता था। जर्सी की रंग योजना पहले जैसी ही होगी यानी मुख्य रूप से सुनहरे लहजे के साथ नीला रंग। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर घोषणा के संबंध में एक वीडियो जारी किया। जिसमें दिखाया गया है कि आईपीएल 2024 के लिए जर्सी कैसी दिखेगी। जर्सी लॉन्च पर बोलते हुए, मुंबई इंडियंस के प्रवक्ता ने कहा कि जैसा कि हमारे खिलाड़ी प्रतिष्ठित नीले और सुनहरे रंग की जर्सी पहनते हैं वे अपने साथ हमारे एमआई पलटन की आशाओं और सपनों को लेकर चलते हैं। ये जर्सी श्मुंबई मेरी जानश की भावना से प्रेरित है। जर्सी के लॉन्च के साथ, एमआई ने सभी आयु समूहों के फैंस के लिए कई स्तरों पर अपने सदस्यता पैकेज लॉन्च किए हैं। सदस्यता की गोल्ड की कीमत 2199 रुपये, सिल्वर के लिए 699 और जूनियर पैकेज के लए 699 रुपये है।

ओली पोप के आउट होने में ध्रुव जुरेल का बड़ा योगदान, एमएस धोनी से हो रही तुलना, फैंस का रिएक्श वायरल

भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन लंच ब्रेक से ठीक पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप कुलदीप यादव की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। ओली पोप जिस तरह से आउट हुए, उसको लेकर उनकी जमकर ट्रोलिंग हो रही है। दरअसल, ओली पोप क्रीज से काफी ज्यादा आगे निकल गए थे और ध्रुव जुरेल ने उन्हें आसानी से स्टंप आउट कर दिया। धर्मशाला में भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन लंच ब्रेक से ठीक पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप कुलदीप यादव की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। ओली पोप जिस तरह से आउट हुए, उसको लेकर उनकी जमकर ट्रोलिंग हो रही है। दरअसल, ओली पोप क्रीज से काफी ज्यादा आगे निकल गए थे और ध्रुव जुरेल ने उन्हें आसानी से स्टंप आउट कर दिया। ओली पोप 24 गेंद पर 11 रन बनाकर आउट हुए और इस तरह से इंग्लैंड ने 100 रनों पर अपना दूसरा विकेट गंवा दिया। लंच ब्रेक से पहले दोनों विकेट कुलदीप यादव के ही खाते में गए। दरअसल, जिस गेंद पर पोप आउट हुए, उससे ठीक पहले विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने कहा था आगे बढ़ेगा, आगे बढ़ेगा और अगली गेंद पर कुछ ऐसा ही हुआ। इस तरह से इंग्लैंड ने अपना दूसरा विकेट गंवा दिया। पोप जिस तरह क्रीज से काफी आगे निकल गए थे, उसको लेकर उनका मजाक उड़ना भी लाजमी है। किसी ने कहा कि उन्हें लंच की जल्दी थी, तो किसी ने कहा कि उनको मनाली जाने का मन है।

वहीं भारत ने पांच मैचों की सीरीज में पहले ही 3–1 से अजेय बढ़त बना चुका है। वहीं इंग्लैंड लाज बचाने के लिए हर हाल में ये मैच जीतना चाहेगा। इंग्लैंड ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारत की ओर से प्लेइंग 11 में दो बदलाव किए गए हैं। रजत पाटीदार फिट नहीं हैं और उनकी जगह देवदत्त पड्डीकल को प्लेइंग 11 में शामिल किया गया है, जबकि जसप्रीत बुमराह को चौथे टेस्ट से आराम दिया गया था और उनकी वापसी के बाद आकाशदीप को प्लेइंग 11 से ड्रॉप किया गया है।

धर्मशाला में कुलदीप यादव का चला जादू, टेस्ट क्रिकेट में पूरा किया विकेटों का पचासा, जानें रिकार्ड

धर्मशाला में शानदार गेंदबाजी करते हुए कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पस्त कर दिया। पांचवें टेस्ट मैच में उन्होंने पंजा खोला। इसके साथ ही उन्होंने अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। कुलदीप यादव ने धर्मशाला में शानदार गेंदबाजी करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजों को पस्त कर दिया। पांचवें टेस्ट मैच में उन्होंने पंजा खोला। इसके साथ ही उन्होंने अपने नाम एक बड़ा रिकॉर्ड भी दर्ज किया। वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में अपना चौथा फाइव विकेट हॉल प्राप्ट करने से पहले वे टेस्ट क्रिकेट में विकेटों का अर्धशतक भी पूरा करने में सफल हुए थे। उन्होंने चौथे विकेट के साथ 50वां विकेट टेस्ट करियर में पूरा किया। चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने जैसे ही 100वां टेस्ट मैच खेल रहे जॉनी बेयरस्टो को विकेट के पीछे ध्रुव जुरेल के हाथों कैच आउट कराया। वैसे ही वे 50 टेस्ट विकेट लेने वाले गेंदबाज की लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 1871वीं गेंद पर 50वां विकेट निकाला। इसी के साथ वे सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय बने, क्योंकि उनसे पहले स्पिनर अक्षर पटेल ने 2205 गेंदों में और पेसर जसप्रीत बुमराह ने 2465 गेंदों में टेस्ट क्रिकेट में 50 सफलताएं अपने नाम की थीं।

इनता ही नहीं, कुलदीप यादव पिछले 100 साल में सबसे कम गेंदों में 50 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। वे तीनों फॉर्मेट में 50 या इससे ज्यादा विकेट लेने वाले भारत के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं। उनसे पहले आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार ने ये कमाल भारत के लिए किया है।

रविचंद्रन अश्विन ने रचा इतिहास, 100वां टेस्ट खेलने वाले बने भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने इतिहास रच दिया है। अश्विन का ये 100वां टेस्ट मैच है और वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं अश्विन से पहले 13 खिलाड़ी भारत के लिए 100 या उससे ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं। लेकिन अश्विन इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे ज्यादा उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का 5वां और आखिरी मुकाबला धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने इतिहास रच दिया है। अश्विन का ये 100वां टेस्ट मैच है और वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं अश्विन से पहले 13 खिलाड़ी भारत के लिए 100 या उससे ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं। लेकिन अश्विन इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे ज्यादा उम्र के भारतीय खिलाड़ी बने हैं। आर अश्विन 37 साल और 172 दिन की उम्र में अपना 100वां टेस्ट खेल रहे हैं। उन्होंने इस मामले में सौरव गांगुली का रिकॉर्ड तोड़ा है।वहीं भारत के लिए 100 या उससे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की करें तो इस सूची में सचिन तेंदुलकर के साथ राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले, कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सौरव गांगुली, विराट कोहली, इशांत शर्मा, हरभजन सिंह, चेतेश्वर पुजारा और वीरेंद्र सहवाग का नाम शामिल हैं। अश्विन इस लिस्ट में जुड़ने वाले 14वें खिलाड़ी बन गए हैं। अश्विन ने रिकॉर्ड्स की बात करें तो वह अभी तक 507 टेस्ट विकेट चटका चुके हैं। वह 100 के कम टेस्ट मैचों में 500 या उससे ज्यादा विकेट चटकाने वाले मात्र दूसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले ये कारनामा श्रीलंकाई लीजेंड मुथैया मुरलीधरन ने किया था। अश्विन के नाम टेस्ट क्रिकेट में सयुंक्त रूप से सबसे ज्यादा 35 पांच विकेट हॉल हैं।

केएल राहुल ने एनसीए में अभ्यास की तस्वीरें साझा कर आईपीएल से वापसी का संकेत दिया

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने वाले राहुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'हाय' कैप्शन के साथ अपने अभ्यास की तस्वीरें साझा कीं। आईपीएल का अगला सत्र 22 मार्च से शुरू हो रहा है। भारत के अनुभवी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने लंदन में चोट संबंधी परामर्श लेने के बाद बुधवार को बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपने प्रशिक्षण की तस्वीरें साझा कर आगामी आईपीएल में अपनी वापसी का संकेत दिया। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने वाले राहुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'हाय' कैप्शन के साथ अपने अभ्यास की तस्वीरें साझा कीं। आईपीएल का अगला सत्र 22 मार्च से शुरू हो रहा है। लखनऊ की टीम 24 मार्च को जयपुर में दोपहर के मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। राहुल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में विकेटकीपर–बल्लेबाज की भूमिका निभाने के प्रबल दावेदार है। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की मौजूदा टेस्ट श्रृंखला में हैदराबाद में खेले गये शुरुआती टेस्ट के बाद क्वाड्रिसेप्स टेंडन (जांघ की मांसपेशियों) की चोट की शिकायत की थी। हैदराबाद टेस्ट में 86 और 22 रन बनाने वाले राहुल ने अपने दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत की और शुरुआत में उन्हें विशापत्तनम में श्रृंखला के दूसरे मैच से बाहर किया गया। वह इसके बाद दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर हो गये थे जबकि तीसरे से पांचवें टेस्ट की टीम में उनका नाम शामिल था लेकिन फिटनेस हासिल करने में नाकाम रहने के कारण वह इस श्रृंखला के मैच नहीं खेल सके। पिछले साल आईपीएल के दौरान चोटिल होने के बाद उन्हें ऑपरेशन कराना पड़ा था।

इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने धर्मगुरु दलाई लामा से की मुलाकात

इंग्लैंड टीम के कुछ खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से उनके मैक्लोडगंज स्थित आवास पर मुलाकात की। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शांति के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता दलाई लामा के साथ टीम के सदस्यों की एक तस्वीर शेयर की। भारत दौरे पर आई इंग्लैंड टीम के कुछ खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ अंतिम टेस्ट की पूर्व संध्या पर बुधवार को तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से उनके मैक्लोडगंज स्थित आवास पर मुलाकात की। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शांति के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता दलाई लामा के साथ टीम के सदस्यों की एक तस्वीर पोस्ट की। ईसीबी ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर कहा, ''माननीय दलाई लामा से मिलना एक अविश्वसनीय सम्मान है।

खतरनाक हो सकता है लिपस्टिक का ज्यादा इस्तेमाल, जानें कैसे

लिपस्टिक न सिर्फ रंग बदलती है, बल्कि महिलाओं की मुस्कान में भी चमक लाती है. यह खूबसूरती का वह टुकड़ा है जो हर महिला के मेकअप किट में मिल जाएगा. चाहे कोई औपचारिक बैठक हो या फिर कोई त्यौहार, लिपस्टिक हर मौके पर महिलाओं की सुंदरता को निखारती है. इसके अलग रंग और शेड्स हर त्वचा टोन को सूट करते हैं, जिससे हर महिला अपने पसंद के हिसाब से चुनती हैं. पर क्या आप जानते हैं कि लिपस्टिक का ज्यादा इस्तेमाल हमारी हेल्थ के लिए ठीक नहीं हैइसमें मौजूद कुछ खतरनाक रसायन हमें नुकसान पहुंचा सकते हैं. आज हम ऐसे ही कुछ खतरों के बारे में बात करेंगे और साथ ही यह भी जानेंगे कि कैसे हम सेफ लिपस्टिक का उपयोग कर सकते हैं. तो चलिए जानते हैं कि लिपस्टिक के ज्यादा इस्तेमाल से क्या–क्या समस्याएं हो सकती हैं और हम उनसे कैसे बच सकते हैं.लिपस्टिक लगानें से हो सकती है बीमारियांलिपस्टिक लगाना तो हम सभी को अच्छा लगता है, पर क्या आप जानते हैं कि इसमें कुछ हानिकारक रसायन होते हैं जैसे कि पारा, लेड, और कैडमियम, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बिलकुल भी अच्छे नहीं हैं. इन रसायनों के कारण हमें कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं. होंठ पड़ सकते हैं काले

अगर हम बहुत ज्यादा लिपस्टिक लगाते हैं, तो हमारे होंठ सूख सकते हैं और फट भी सकते हैं। इससे एलर्जी, होंठों का रंग बदलना और चेहरे पर अन्य त्वचा सम्बन्धी समस्याएं भी हो सकती हैं. लंबे समय तक लिपस्टिक लगाने से होंठों का रंग गहरा हो सकता है, जिसे फिर से पहले जैसा बनाना मुश्किल होता है.और जब हम खाना खाते हैं, तो लिपस्टिक के कुछ हिस्से हमारे शरीर के अंदर भी जा सकते हैं, जिससे पेट में समस्या हो सकती है. इसलिए, लिपस्टिक का इस्तेमाल करते समय थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए.कैंसर जैसी हो सकती है बीमारियांबहुत सारी लिपस्टिक में कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो कैंसर पैदा कर सकते हैं. इसके अलावा, लिपस्टिक में मौजूद कुछ रसायन, जिनका इस्तेमाल इसे लंबे समय तक ताजा रखने के लिए किया जाता है, वे भी खांसी, आंखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत जैसी एलर्जी और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं. और हां, कुछ मामलों में तो ये कैंसर का कारण भी बन सकते हैं. इसलिए, लिपस्टिक चुनते समय सावधानी बरतें और इसके इस्तेमाल को लेकर जागरूक रहें.

माइक्रोवेव के जिद्दी दाग साफ करने में हो जाती है हालत खराब, तो ये 5 टिप्स बचाएंगे आपकी मेहनत

टेक्नोलॉजी ने जहां हमारी लाइफ को आसान बनाने का काम किया है, तो दूसरी ओर हमारा काम भी बढ़ा दिया है. माइक्रेवव अवन के कारण आज हर कोई अपने घर में आराम से बेकिंग, ग्रिलिंग और रोस्टिंग कर एक से बढ़कर एक फूड्स का आनंद ले रहा है. लेकिन इन्हें बनाते हुए अवन में जो दाग–धब्बे लगते हैं, उन्हें साफ करना भी एक बड़ा टास्क होता है. अगर इन दागों को वैसे ही छोड़ दिया जाए, तो धीरे–धीरे यह अवन की गुणवत्ता और खाने के स्वाद पर भी असर डालने लग जाते हैं. दूसरी ओर गंदे अवन किचन की शोभा बढने के बजाय और घटाने लग जाते हैं. अगर आप भी उनमें से हैं, जो अवन की गंदगी साफ करने के लिए खूब मशक्कत करते हैं, तो यहां दिए गए टिप्स आपके लिए ही हैं, जिनकी मदद से आप अवन को गंदा या मेस्सी होने से रोक सकते हैं.

माइक्रोवेव साफ करने के लिए आसान टिप्स–

1. एल्युमीनियम फॉयल का इस्तेमाल करें

ओवन में खाने को फैलने से रोकने के लिए एल्यूमीनियम फॉइल का इस्तेमाल करना एक प्रभावी तरीका है. ऐसे दो तरीके हैं जिनसे आप इसका उपयोग कर सकते हैं। सबसे पहले, आप ओवन के निचले रैक को एल्युमीनियम फॉइल की शीट से पैक कर सकते हैं. इससे ऊपर से टपकने वाली खाने की चीज को नीचे फैलने से रोकने में मदद मिलेगी, जिससे अवन के निचले हिस्से को गंदा होने से रोका जा सकेगा. दूसरा तरीका यह है कि खाने को सीधे इससे ढक दिया जाए. ऐसा करने से खाना अपनी जगह पर रहेगा और लीक नहीं होगा.2. बेकिंग ट्रे का इस्तेमाल करेंएल्युमिनियम फॉयल खत्म हो गया है, तो बेकिंग ट्रे का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. लसग्ना, पुडिंग जैसे डिशेज काफी भारी होते हैं और बेकिंग ट्रे आसानी से गिरे हुए भोजन को इकट्ठा करने में मदद करती है. यदि आप नीचे एल्यूमीनियम फॉइल रखते हैं, तो हो सकता है कि यह उसे संभाल न सके और शायद फट भी जाए. इसलिए खाने के मुताबिक फॉयल या ट्रे का इस्तेमाल करें.

3. खाना बहुत ज्यादा मात्रा में न भरें

एक और चीज जो हममें से ज्यादातर लोग अक्सर करते हैं वह है बेकिंग ट्रे में जरूरत से ज्यादा सामान भर देना. लोग सारा खाना एक ही बार में पकाना पसंद करते हैं. लेकिन, अगर आप इसे ओवन में फैलने से रोकना चाहते हैं तो कोशिश करें कि बेकिंग ट्रे में जरूरत से ज्यादा सामान न भरें, ऐसा करने से खाना पकाने की प्रक्रिया पर असर कम पड़ेगा और इसके छलकने की संभावना भी कम हो जाएगी.

4. ओवन लाइनर का इस्तेमाल करें

ओवन लाइनर एक हीट रेसिस्टेंट शीट है, जिसे आप ओवन में रख सकते हैं. इसका इस्तेमाल करने के लिए ओवन के निचले हिस्से में रखें. यह किसी भी खाने के टुकड़े या ग्रीस के छींटों को आसानी से अब्सॉर्ब कर लेगा और ओवन को बेदाग रखेगा. अगर ओवन लाइनर नहीं मिल पा रहा है, तो आप कुकी शीट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं.

5. सही तापमान पर बेक करें

अगर खाना सही तापमान पर पक रहा हो, तब भी अवन पर कम दाग लगने की संभावना रहती है. अक्सर, हम रेसिपी में बताए गए तापमान को नजरअंदाज कर देते हैं और इसे अपने हिसाब से सेट कर लेते हैं. यही कारण है कि खाना ओवन में फैल जाता है. तापमान को हमेशा रेसिपी में बताए अनुसार ही सेट करें.

कुणाल खेमू की मडगांव एक्सप्रेस का ट्रेलर जारी, जिंदगी में आए तूफान से कैसे निपटेंगे तीन दोस्त

अभिनेता कुणाल खेमू अब अपनी पहली फिल्म मडगांव एक्सप्रेस के साथ निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। मडगांव एक्सप्रेस का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म का प्रोमो जारी किया गया था, जिसे देख दर्शक उत्साहित हो गए थे। वहीं, अब निर्माताओं ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है, जो कॉमेडी से भरपूर है।

इस फिल्म में अभिनेता प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी और दिव्येंदु सहित कई शानदार कलाकार शामिल हैं। प्रतीक गांधी स्कैम 1992, अविनाश तिवारी बंबई मेरी जान और दिव्येंदु शर्मा मिर्जापुर में अपनी भूमिका के लिए मशहूर हैं। अब ये तीनों कलाकार दर्शकों के सामने अपना अलग अंदाज दिखाने के लिए तैयार हैं। यह ट्रेलर हंसी–मजाक से भरपूर है, जो तीन दोस्तों की गोवा की यात्रा को दिखता कि है कैसे वे जिंदगी में मजे करने के चक्कर में गोवा जाने की योजना बनाते हैं, लेकिन उनकी हंसती–खेलती जिंदगी में अचानक तूफान आ जाता है।

मडगांव एक्सप्रेस बचपन के तीन दोस्तों की यात्रा की कहानी है, जो गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, लेकिन उनकी जिंदगी पूरी तरह से पटरी से उतर जाती है। मडगांव एक्सप्रेस में ये कलाकार यानी प्रतीक गांधी पिंकू, अविनाश तिवारी आयुष और दिव्येंदु डोडो का किरदार निभाएंगे। यह तीनों बचपन के दोस्त हैं और गोवा जाने का सपना देखते हैं, लेकिन वह पूरा नहीं हो पाता। आखिरकार एक दिन तीनों गोवा की यात्रा के लिए निकल पड़ते हैं और जिंदगी के मजे लेते हुए एक ड्रग्स स्कैंडल में फंस जाते हैं। वहां से उनकी जिंदगी अलग मोड़ ले लेती है और वे इससे निकलने की बजाये इसमें फंसते चले जाते हैं। हर मोड़ पर फिल्म का

ट्रेलर हंसी–ठहाकों का डोज दे रहा है। ट्रेलर के अंत में प्रतीक का किरदार यह कहता है कि पहले पूरी जिंदगी गोवा आ नहीं पा रहे थे, अब जा नहीं पा रहे हैं। ट्रेलर के टैगलाइन में लिखा है, बचपन के सपनेज्लग गए अपने। कुणाल खेमू ने फिल्म का ट्रेलर साझा करते हुए लिखा, गोवा जाने वाली मडगांव एक्सप्रेस आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 22 मार्च को आ रही है। कुणाल खेमू द्वारा लिखित और निर्देशित मडगांव एक्सप्रेस का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने अपने बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट के तहत किया है। दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी के अलावा कलाकारों में नोरा फतेही, उपेंद्र लिमये और छाया कदम भी शामिल हैं। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 22 मार्च, 2024 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

महिला दिवस पर लापता लेडीज के मेकर्स का स्पेशल आफर, सिर्फ 100 रुपये में देखें फिल्म

किरण राव निर्देशित फिल्म लापता लेडीज सिनेमाघरों में लगी हुई है। इस फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस यानि 8 मार्च को इस फिल्म पर स्पेशल ऑफर दिया गया है। टिकट के दाम घटाए गए हैं। महिला दिवस पर मात्र 100 रुपये की टिकट पर यह फिल्म देखी जा सकती है। इस फिल्म को किरण राव के साथ मिलकर आमिर खान ने प्रोड्यूस किया है। 1 मार्च 2024 को रिलीज हुई फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। क्रिटिक्स ने भी इसे अच्छे रिव्यू दिए हैं। महिला दिवस के अवसर पर जियो स्टूडियोज और आमिर खान प्रोडक्शंस ने स्पेशल ऑफर निकाला है।

महिला दिवस के अवसर पर निकाले गए इस ऑफर की जानकारी जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से साझा

की है। फिल्म के पोस्टर के साथ लिखा है, हमारी लापता लेडीज को अपनी महिलाओं के साथ देखने के लिए खास ऑफर। अपने नजदीकी सिनेमाघरों में देखें, तो आ रहे हैं ना आप इस पोस्ट पर यूजर्स जमकर खुशी जता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, यह वाकई अच्छा कदम है। एक अन्य यूजर ने लिखा, यह खबर तो वाकई खुश कर देने वाली है। इस फिल्म की कहानी दो ऐसे कपल की है, जो शादी के बाद अपनी–अपनी दुल्हन को लेकर ट्रेन में चढ़ते हैं, लेकिन उतरते वक्त उनकी दुल्हने बदल जाती हैं। फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो आंकड़ों के मुताबिक, लापता लेडीज अब तक 4.4 करोड़ रुपये से अधिक कमा चुकी है। इस फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, नितांशी गोयल, रवि किशन और प्रतिभा रांटा जैसे सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

हंसल मेहता की वेब सीरीज लुटेरे का टीजर जारी, 22 मार्च से डिज्नी हाटस्टार पर होगा प्रीमियर

भारतीय सिनेमा के जाने–माने निर्देशक और निर्माता हंसल मेहता इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज लुटेरे को लेकर चर्चा में हैं।इस सीरीज के निर्देशन की कमाल जय मेहता ने संभाली है।

इसमें रजत कपूर, विवेक गोम्बर, अमृता खानविलकर और आमिर अली जैसे दिग्गद सितारे मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। अब निर्माताओं ने लुटेरे का दमदार टीजर जारी कर दिया है, जो एक्शन से भरपूर है।यह सीरीज डिज्नी हॉटस्टार पर दस्तक देगी। इसकी रिलीज तारीख सामने आ चुकी है।लुटेरे का प्रीमियर 22 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी हॉटस्टार पर किया जाएगा।सीरीज का टीजर देखने के बाद आप इसकी मूल कहानी का अंदाजा लगा सकते हैं। ये एक काल्पनिक थ्रिलर कहानी है, जोकि समुद्री लुटेरो पर बनाई गई है।सोमालिया के तट पर लुटेरों ने भारतीय जहाज का अपहरण कर लिया है। सोमालिया के खतरनाक समुद्र पर आधारित टीजर लुटेरे की दुनिया की एक झलक देता है।24 सेकंड के टीजर की शुरुआत नाव पर सवार कुछ भारी हथियारों से लैस लोगों से होती है, जिन्हें हम करीब हैं कहते हुए सुना जा सकता है। रजत नौसेना की वर्दी पहने हुए सीन में दिखाई देते हैं और दूरबीन से लोगों को देखते हैं। वीडियो जहाज पर गोलीबारी करने वाले लोगों के साथ समाप्त होता है। इस सीरीज की कहानी इसी पर आधारित है। निर्माताओं ने इसमें एक्शन के साथ रोमांस का तड़का भी लगाया है।

कृति सैनन और काजोल की दो पत्ती का टीजर जारी, रहस्य–थ्रिलर से भरपूर है फिल्म

भारतीय सिनेमा की जानी–मानी लेखिका और निर्माता कनिका निर्देशक में रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं।इन दिनों वह अपनी पहली निर्देशित फिल्म दो पत्ती को लेकर चर्चा में, जिसमें काजोल और कृति सैनन मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।दो पत्ती कृति के होम प्रोडक्शन ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स की पहली फिल्म है।अब दो पत्ती का टीजर जारी कर दिया है, जिसमें काजोल सच और सबूत के बीच एक असामान्य मामले को सुलझाती हुईं नजर आ रही हैं।दो पत्ती ने काजोल पहली बार एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी।यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। हालांकि, अभी तक इसकी रिलीज तारीख का ऐलान नहीं हुआ है। दो पत्ती एक रहस्य थ्रिलर है, जिसमें काजोल और कृति के अलावा तन्वी आजमी भी अभिनय करती नजर आएंगी। शहीर शेख भी दो पत्ती की स्टारकास्ट से जुड़ गए हैं।साल 2015 में आई फिल्म दिलवाले के बाद यह काजोल और कृति के बीच दूसरा सहयोग है।टीजर की शुरुआत में ऊपर से खूबसूरत मनाली का मंजर है। फिर काजोल को बाइक चलाते दिखाया गया है। वह इसमें एक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रही है। पूरे टीजर में वॉइसओवर में वह जीवन में गलत और सही स्थितियों के बारे में बात करती दिखाई दे रही हैं।हाल ही में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाली एक्ट्रेस कृति सेनन को इसमें ग्लैमरस और ग्रे शेड्स में दिखाया गया है।टीजर से यह पता लगाना मुश्किल है कि फिल्म की कहानी क्या है, लेकिन देखने से यह थ्रिलर मूवी लग रही है। फिल्म के कुछ डायलॉग भी टीजर में हैं।

एक में काजोल कहती है, जब सच और सबूत आपस में भिड़ जाए तो क्या करना चाहिए। जिस पर कृति सेनन को कहते हुए सुना जा सकता है, वही करना चहिए जो दिल कहे, पर सबसे बड़े घोखे न साला दिल ही देता है।

आर्टिकल 370 की बाक्स आफिस पर मजबूत पकड़, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 75 करोड़ के पार

यामी गौतम की लेटेस्ट रिलीज आर्टिकल 370 को दर्शकों ने काफी पसंद किया है और ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा परफॉर्म कर रही है. बड़े बजट की हॉलीवुड रिलीज ड्यूनरू पार्ट 2 से टक्कर मिलने के बावजूद भी ये फिल्म टिकट खिड़की पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है. ये फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है.ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है और ये बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है. हालांकि वीकडेज में फिल्म की कमाई में गिरावट भी आई है. चलिए यहां जानते हैं आर्टिकल 370 ने रिलीज के 12वें दिन कितने करोड़ कमाए हैंकश्मीर से आर्टिकल 370 को हटाने पर बेस्ड यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 सिनेमाघरों में खूब धमाल मचा रही है. फिल्म को ना केवल क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिले थे बल्कि दर्शकों को भी इसकी कहानी खूब पसंद आई है. इसी के साथ आर्टिकल 370 ने अपने बजटे से तीन गुना ज्यादा कमाई कर ली है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो आर्टिकल 370 ने 5.9 करोड़ रुपये से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 35.6 करोड़ रहा. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के दूसरे हफ्ते में है. आर्टिकल 370 ने रिलीज के 8वें दिन 3 करोड़ कमाए थे. 9वें दिन यानी दूसरे शनिवार फिल्म ने 5.5 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं 10वें दिन यानी सेकंड संडे आर्टिकल 370 ने 6.75 करोड़ की कमाई की जबकि दूसरे सोमवार फिल्म की कमाई में 74.07 फीसदी की गिरावट आई और इसने 1.75 करोड़ की कमाई की. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक आर्टिकल 370 ने रिलीज के 12वें दिन भी 1.75 करोड़ की ही कमाई की है. इसी के साथ आर्टिकल 370 की 12 दिनों की कुल कमाई अब 54.35 करोड़ रुपये हो गई है. आर्टिकल 370 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन कर लिया है. वहीं दुनियाभर में भी ये फिल्म तहलका मचा रही है. फिल्म ने वर्ल्डलाइड भी दमदार कमाई कर ली है. जियो स्टूडियो ने आर्टिकल 370 के दुनियाभर में कमाई के आंकड़े शेयर किए हैं.

ग्रीन मिडी ड्रेस में शहनाज गिल ने बिखेरा जलवा, फैंस हुए दीवाने

शहनाज गिल सोशल मीडिया पर बेहद लोकप्रिय हैं और आए दिन एक्ट्रेस अपनी सिजलिंग पोस्ट से फैंस के छक्के छुड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर बेहद हॉट तस्वीरें शेयर की हैं जोकि सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा रही हैं. शहनाज ने ग्रीन कलर की मिडी ड्रेस पहनी है. लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. शहनाज की हॉटनेस ने यूजर्स को दीवाना बना दिया है और वे उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं. शहनाज को आखिरी बार भूमि पेडनेकर के साथ थैंक्यू फॉर कमिंग फिल्म में देखा गया था. उनके फैंस उनके आगामी प्रोजेक्ट के बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं.

शहनाज भी अपने फैंस को कभी निराश नहीं करती और उनके साथ अकसर तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं।शहनाज का क्यूट अंदाज फैंस को खूब भा रहा और वे शहनाज की सादगी पर फिदा हो रहे हैं। बताते चलें कि शहनाज के फैंस को उनकी ये सादगी खूब भा रही है। लोग एक्ट्रेस के इस हॉटनेस पर खूब रिएक्शन दे रहे हैं।

फिल्म लव सेक्स और धोखा 2 से अलग हुईं एक्ट्रेस निमृत कौर

लव सेक्स और धोखा 2 में अभिनय करने वाली एक्ट्रेस निमृत कौर ने फिल्म से अपना हाथ खींच लिया है। ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि एक्ट्रेस ने यह कदम फिल्म की मांग वाले बोल्ड सीन के चलते लिया। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने कहा कि समय के साथ–साथ फिल्म की कहानी बोल्ड होती जा रही थी, जिससे एक्ट्रेस को यह किरदार निभाना पड़ा, लेकिन बाद में वह स्क्रिप्ट की

मांग के साथ असहज महसूस कर रही थीं। सूत्र ने कहा, फिल्म में बोल्ड सीन के चलते निमृत कौर ने लव सेक्स और धोखा 2 में अपनी भूमिका छोड़ दी है। टेलीविजन रियलिटी शो बिग बॉस में एकता कपूर ने फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर निमृत कौर को साइन किया था।सूत्र ने आगे बताया, जैसे–जैसे फिल्म की जरूरते बोल्ड और अधिक कामुक होती गईं, एक्ट्रेस को यह भूमिका छोडनी पड़ी, क्योंकि वह अंतरंग दृश्य करने में सहज नहीं थीं। फिल्म के निर्माताओं ने हाल ही में एक कामुक पोस्टर जारी किया था। यह डिजिटल दुनिया के आधुनिक युग में रिश्तों पर आधारित अपनी दिलचस्प कहानी की पहली झलक देता है। यह फिल्म 2010 की स्लीपर हिट लव सेक्स और धोखा का सीक्वल है, यह खोसला का घोसला और ओए लकी लकी ओए के बाद दिबाकर की तीसरी निर्देशित फिल्म है। लव सेक्स और धोखा 2 एकता कपूर और शोभा कपूर द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 19 अप्रैल को रिलीज होगी।

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल के साथ हुई इवेंट में छेड़खानी ? भीड़ का फायदा उठाते हुए शख्स ने अनुचित तरीके से छूआ

काजल अग्रवाल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया, लेकिन कुछ अप्रत्याशित हुआ जिसके लिए अभिनेत्री स्पष्ट रूप से तैयार नहीं थी। काजल अग्रवाल एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं और उन्हें काफी लोग पसंद करते हैं।काजल अग्रवाल ने हाल ही में एक कार्यक्रम में अपनी शानदार उपस्थिति से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया, लेकिन कुछ अप्रत्याशित हुआ जिसके लिए अभिनेत्री स्पष्ट रूप से तैयार नहीं थी। अभिनेत्री का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह एक कार्यक्रम में एक व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से छूने पर कड़ी प्रतिक्रिया देती नजर आ रही हैं। वीडियो में, काजल अग्रवाल कुछ प्रशंसकों के लिए पोज देती हुई और ऑटोग्राफ देती हुई दिखाई दे रही हैं, तभी एक आदमी आता है और उनके पास खड़ा होता है और उनके कंधे को छूता है, शायद वह आदमी तस्वीर खिचवानें आया था लेकिन उसने एक्ट्रेस को छुआ, जिसपर काजल ने तुरंत रिएक्ट किया। आदमी को जल्द ही अपनी गलती का एहसास होता है और वह एक तरफ हो जाता है, बाद में काजल अपना मूड ठीक करती है और उन प्रशंसकों के लिए ऑटोग्राफ देना जारी रखती है जो सिंघम अभिनेत्री की एक झलक पाने का

इंतजार कर रहे थे। काजल दक्षिण भारतीय उद्योग में सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक है, अभिनेत्री अपने विश्राम के बाद काम पर वापस आ रही है, काजल ने मातृत्व अपनाया और अब काम पर वापस आ गई है, और उसे वापस आते देख प्रशंसक रोमांचित और सुपर उत्साहित हैं। काजल अग्रवाल ने गौतम किचलू से शादी की, और अपनी शादी के दो साल के भीतर उन्होंने 2022 में अपने बच्चे नील का स्वागत किया, और दो साल के मातृत्व अवकाश के बाद वह काम पर वापस आ गई हैं।

फिल्म देवरा से जाह्नवी कपूर की नई झलक आई सामने

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी पहली साउथ फिल्म देवरा को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इसमें वह साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के अपोजिट नजर आएंगी. जाह्नवी कपूर की 27वां बर्थडे के खास मौके पर श्देवराय के मेकर्स ने फिल्म से उनका फर्स्ट लुक शेयर किया है. इसके साथ ही उन्हें जन्मदिन की बधाई भी दी है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (ट्विटर) पर श्देवराय नाम के अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है, जिसमें जाह्नवी कपूर के लुक की झलक दिखाई गई है. तस्वीर में एक्ट्रेस साड़ी पहने हुए ट्रेडिशनल अवतार में नजर आ रही हैं. जाह्नवी कपूर ने माथे पर बिंदी लगाई है. इसके अलावा गले में चोकर और कानों में खूबसूरत ईयररिंग्स ने उनके लुक पर चार चांद लगा रहे हैं. मेकर्स ने श्देवराय से जाह्नवी कपूर का लुक शेयर करते हुए उन्हें बर्थडे विश भी किया है. कैप्शन में लिखा, श्हमारी प्यारी थंगम जाह्नवी कपूर को जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं.य जाह्नवी कपूर की पहली साउथ फिल्म श्देवराय का टीजर कुछ दिनों पहले रिलीज हुआ था, जिसमें जूनियर एनटीआर एक्शन अवतार में नजर आए थे. अब फैंस इसके ट्रेलर लॉन्च का इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में जूनियर एनटीआर ने श्देवराय फिल्म के नए पोस्टर की झलक दिखाई थी, जिसके साथ ही साल 10 अक्टूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी. इस फिल्म में विलेन कोई और नही बल्कि सैफ अली खान हैं. फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है. जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा के अलावा जाह्नवी कपूर राम चरण की मूवी आरसी 16 में भी नजर आएंगी. इसके अलावा जाह्नवी कपूर के पास उलझ और मिस्टर एंड मिसेज

उन्होंने बताया कि फिल्म इस माहौल जैसी फिल्में भी हैं.

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शुक्रवार 08 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

वैवाहिक समारोह में शामिल होने के बहाने लोकसभा चुनाव की तैयारी का जायजा ले गए अखिलेश

प्रयागराज (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव आज यहाँ वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे तो पार्टी जनों का उत्साह देख आगामी लोकसभा चुनाव की नब्ज भी टटोल गए। हवाई अड्डे पर आगमन से लेकर रास्ते भर चार पहिया वाहनों का काफिला ऊपर से कार्यकर्ताओं के नारे से सपा अध्यक्ष काफी खुश दिखे। पार्टी के विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व संसद, जिलाध्यक्ष गण एवं वरिष्ठ नेताओं पदाधिकारियों नेअपने नेता का जगह जगह स्वागत भी किया।कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पत्रकारों से बातचीत में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि इण्डिया गठबंधन पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगा। बाकि सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा शीघ्र ही किये जाने की बात की। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पूर्व संसद कुंवर रेवती रमण सिंह से मिलने वह विशेष तौर से बाद में आएंगे। बालक महराज के साथ भी बैठने की बात कही। पेपर लीक मामले में कहा कि भाजपा जानबूझकर ऐसा कराती है ताकि लोंगो को रोजगार नहीं मिल सके। सपा के वरिष्ठ नेता, प्रदेश कार्यालय में निर्वाचन का कार्य देख रहे के के श्रीवास्तव के सुपुत्र की शादी कार्यक्रम आज शहर के के पी कम्युनिटी हाल में संपन्न हुई जिसमें शामिल होने के लिए दोपहर में आये। बाद झूंसी के क्रिया योग संस्थान में पहुंचे। तत्पश्चात हवेलिया निवासी डॉ जे. पी. यादव के घर भी गए जहाँ उनकी सुपुत्री एवं राकेश यादव एडवोकेट के सुपुत्र को शादी के उपरांत आशीर्वाद दिया। वहीं से सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो गये। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सपा के जिलाध्यक्ष गण अनिल यादव, पप्पूलाल निषाद, सैयद इफ्तेखार हुसैन, एम एल सी डॉ मान सिंह यादव, विधायक गण श्रीमती विजमा यादव, गीता शस्त्री, हाकिम लाल बिन्द, संदीप पटेल, श्याम लाल पाल, पूर्व संसद धर्म राज पटेल, पूर्व विधायक गण जोखू लाल यादव, बासुदेव यादव, अंसार अहमद, हाजी परवेज अहमद, सत्यवीर मुन्ना, संदीप यादव, नरेन्द्र सिंह, पंधारी यादव, रामानंद भारतीय, कृष्ण मूर्ति यादव, हेमंत टुन्नू, राजू पासी, संजय मौर्य, कमला यादव, रविन्द्र यादव, अजय श्रीवास्तव, अमरनाथ मौर्य, दान बहादुर मधुर, नाटे चौधरी, मयंक श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव, भोला यादव, जगदीश यादव, मो गौस, रमाकांत पटेल आदि मौजूद रहे।

उद्यमिता और व्यवसाय प्रबंधन में सर्टिफिकेट कोर्स का समापन

प्रयागराज (आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज में आज उद्यमिता और व्यवसाय प्रबंधन में 30 घंटे के सर्टिफिकेट कोर्स का समापन समारोह आयोजित किया, जो वाणिज्य विभाग में 23 फरवरी से शुरू हुआ था। कार्यक्रम की शुरुआत देवी सरस्वती पर पुष्प अर्पण करके पाठ्यक्रम के सफल समापन हेतु आशीर्वाद मांगते हुए हुई।

संयोजक डॉ. संगीता अग्रवाल ने सम्मानित अतिथि अधिवक्ता निधि पवन सिंह का स्वागत किया और उन्हें मोमेंटो और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया।

पाठ्यक्रम समन्वयक डा. अर्पिता घोष ने छात्राओं को संबोधित किया और पूरे पाठ्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए उनकी सराहना की। डॉ. आयुषी अग्रवाल ने पाठ्यक्रम के दौरान हुए सभी सत्रों की विस्तृत रिपोर्ट पढ़ी।

इसके बाद बिजनेस आइडिया प्रपोजल के विजेताओं की घोषणा की गई और उन्हें सम्मानित किया गया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आयुषी अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम में सुमित शर्मा भी उपस्थित रहे और उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पोल्ट्री व्यवसाय की चुनौतियों को पोल्ट्री उद्यमियों से किया साझा

प्रयागराज (आरएनएस)। इंडियन पोल्ट्री एक्सपो के तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 5 मार्च से 7 मार्च तक आयोजित किया गया है। जिसके अन्तर्गत पोल्ट्री एक्सपो में स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कम्पनियाँ अपने स्टॉल लगाया हैं। जिनमें पोल्ट्री फीड, पोल्ट्री अंडा, दवाईयां तथा पोल्ट्री इक्विपमेंट बनाने वाली कम्पनियां मुख्य रूप से शामिल रही। जहाँ पोल्ट्री व्यवसाय विषय पर व्याख्यान श्रंखला रखी गई और पूरे देश से पोल्ट्री उद्धमियों ने व्याख्यान में भाग लिया। इसी कड़ी में कुक्कुट विकास समिति के अध्यक्ष वी पी सिंह ने पोल्ट्री उद्योग प्रबंधन, रोग तथा निदान पर व्यख्यान दिया। उन्होंने पोल्ट्री उद्योग को बढ़ावा देना, छोटे पोल्ट्री किसानो को योजनाओं के तहत जोड़ना जिससे देश प्रदेश में बेरोजगारी दूर हो सके एंव सरकार से पोल्ट्री व्यवसाय में विस्तार हेतु प्रोत्साहन पर सुझाव प्रकट किया।

इलेक्टोरल बांड मामला मोदी और एसबीआई की मिलीभगत- किशोर वार्ष्णेय

प्रयागराज (आरएनएस)। यूपी कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता किशोर वार्ष्णेय ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा इलेक्टोरल बांड्स को अवैध करार देते हुए 21 दिनों में 16 हजार करोड़ का चंदा बांड्स के सारे दस्तावेज को जारी किए जाने से स्टेट बैंक द्वारा इंकार किये जाने पर आश्चर्य वयक्त किया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया में पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत बैंक जहां तुरंत के तुरंत जो काम होते हों उसे डाटा देने में चार माह का समय चाहिए ताकि लोकसभा चुनाव निकल जाये यह अवमानना के अलावा कुछ भी नहीं है। उन्होंने मामले में प्रधानमंत्री मोदी और एसबीआई की मिली भगत से बकायदा कानून बना कर अंजाम देने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी ने बड़े पूंजीपतियों से चंदा लेकर देश की बड़ी संपत्तियों को बेचने का भी आरोप लगाया। कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि किसके पैसों से वे चुनाव चुनाव लड़ रहे हैं और पानी की तरह पैसे बहा रहे हैं।

तीन अप्रैल को आयोजित होगा प्रयाग व्यापार मंडल का होली मिलन समारोह

प्रयागराज (आरएनएस)। इस वर्ष प्रयाग व्यापार मंडल का होली मिलन समारोह 3 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। प्रयाग व्यापार मंडल की कोर कमेटी की मीटिंग प्रयाग व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा चावला के कैंप कार्यालय बालसंन चौराहा अभिषेक एन्ड कम्पनी पर आयोजित हुई। जिसमे प्रयाग व्यापार मंडल द्वारा विगत कई वर्षों से परंपरा गत होली का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया जाता रहा है लेकीन कोरोना आपदा की वजह से 2 वर्ष 2020, 2021 नहीं हुआ। 2022 में प्रयाग व्यापार मंडल के कई वरिष्ठ पदाधिकारीयों की 2 वर्षो में कोरोना की वजह से मृत्यु हो गई इसी कारण नहीं कराया गया। 2023 में अध्यक्ष विजय अरोरा अस्वस्थ हो गए अब इस वर्ष सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया की बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। चूंकि लोकसभा चुनाव सामने है आचार संहिता लागू तब तक हो जायेगी इसलिए यह कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से चौक पर ऐतिहासिक नीम के पेड़ के नीचे नहीं हो सकता।इस बार होली मिलन समारोह का कार्यक्रम 3 अप्रैल दिन बुधवार को किसी प्रतिष्ठित स्थान पर निजसंस्थान में आयोजित किया जायेगा कार्यक्रम पूर्ण रूप से गैर राजनैतिक होगा केवल व्यापारी ही अपने परिवार के साथ सम्मिलित होंगे।प्रयाग व्यापार मंडल से संबद्ध इकाइयों जो महानगर प्रयागराज में स्थानीय संगठन हैं उनके अध्यक्ष एवं महामंत्री सपरिवार आमंत्रित रहेंगे कार्यक्रम शाम को आरंभ हो के रात्रि भोजन के पश्चात समाप्त होगा। मीटिंग में मुख्य रूप से प्रयाग व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा चावला, महामंत्री सुहैल अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण केसरवानी, कोषाध्यक्ष सरदार जतिंदर सिंह बब्बू, सरदार हरजिंदर सिंह विक्की, पार्षद साहिल अरोरा, शाहिद कमाल बबलू, आकाश, निक्की, मोनू चावला, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अकरम आदि उपस्थित रहे।

मैनेजमेंट के छात्र पढ़ाई के साथ कौशल भी निखारें- अपर्णा मिश्रा

विश्वविद्यालय के एमबीए छात्रों को विशेषज्ञ ने दिए टिप्स

प्रयागराज (आरएनएस)। श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट, कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स के तत्वावधान में विश्वविद्यालय कैंपस में एमबीए के छात्रों के लिए प्रथम ज्ञान आधारित व्याख्यान हॉलिस्टिक बिजनेस मास्टरीरू नेविगेटिंग मैनेजमेंट एंड बियॉड का आयोजन किया गया। व्याख्यान की मुख्य अतिथि वूमेन साइन की संस्थापक संपादक एवं रणनीतिज्ञ अपर्णा मिश्रा ने इस अवसर पर मैनेजमेंट के छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सिर्फ मैनेजमेंट की पढ़ाई कर लेने से उद्यमिता की समझ विकसित नहीं हो पाती, उसके लिए बेहतर है कि कुछ साल उद्योग जगत के साथ काम करें और व्यवस्थाओं को समझें। उन्होंने कहा कि इसके अलावा आजकल इन्क्यूबेशन के माध्यम से जो नए–नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं उन पर अपनी पकड़ को मजबूत करें और सुअवसर को हाथ से न जाने दें। सुश्री मिश्रा ने इस बात पर जोर दिया कि मैनेजमेंट के छात्रों को पढ़ाई के साथ–साथ अपना कौशल निखारने पर भी कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज की इस दुनिया में कौशल ही सब कुछ है। इसके पूर्व प्रारंभ में मुख्य वक्ता अपर्णा मिश्रा का स्वागत इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष बाजपेई ने किया। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि सुश्री मिश्रा के व्याख्यान से छात्र–छात्राएं निश्चय ही लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि उनका मार्गदर्शन आगे भी छात्रों को मिलता रहेगा। व्याख्यान का संयोजन प्रोफेसर अलका सिंह ने करते हुए कहा कि वर्तमान समय में ज्ञान का काफी विस्तार हो रहा है। मानव संसाधन को समृद्ध कर भविष्यगत चुनौतियों का सामना करने में आज प्रबंधकीय शिक्षा सफल हो रही है। जिसके अंतर्गत आधारभूत कौशलों का विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रोफेसर आशुतोष बाजपेई, प्रोफेसर अलका सिंह, डॉ आशा श्रीवास्तव, डॉ आसिफ मेहंदी, अदिति मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

शौर्य के दम पर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने जीता रिजवी कप

प्रयागराज (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने रिजवी कप के लिए आयोजित 14वीं आबिश एवं शाकिब रिजवी स्मारक ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में हरियाणा क्रिकेट अकादमी को छह विकेट से हराकर चौंपियन होने का गौरव प्राप्त किया है। गुरुवार को रिजवी कॉलेज मैदान पर फाइनल मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवर में नौ विकेट पर 212 रन (मंयक शांडिल्य 77, रोहित कुमार 38, संधर्ब सूद 27, अंकित कुमार 25, जसमीत नैन 12 रन,शौर्य सिंह 3ध्24, समीर चौधरी 2ध्35, नमन तिवारी 2ध्36, सचिन सिंह 1ध्24) पर बनाए। जवाब में उत्तरप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के टीम ने 36.2 ओवर में छह विकेट खोकर 213 रन (आदर्श सिंह 58, फहाद 37 नाबाद, आंजनेय सूर्यवंशी 36, समीर चौधरी 22, सचिन सिंह 21 अविजित रन, संधर्ब सूद 2ध्38, ओमकार नामदेव 1ध्17, मयंक शांडिल्य 1ध्25) कर लक्ष्य को हासिल कर लिए है। मैच के बाद फाइनल मैच के मुख्य

शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम– डा. कृष्णा गुप्ता

जगत तारन गर्ल्स डिग्री कालेज की एनएसएस के शिविर में प्रोफेसर कृष्णा गुप्ता के विशेष व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज (आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 054 द्वारा आयोजित विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस का शुभारम्भ प्रार्थना और लक्ष्य गीत के गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात् महिला पतंजलि योगा समिति की कोशाध्यक्ष श्रीमती विनिता एवम् सदर प्रभारी श्रीमती सुनीता तिवारी ने सूर्य नमस्कार के साथ योगाभ्यास प्रारंभ किया। उनके अनुसार, सूर्य नमस्कार सूर्य देव को सम्मान देने का एक प्राचीन योग अभ्यास है। सूर्य नमस्कार में सात अलग – अलग आसन बारह चरणों में चक्रीय रूप से किया जाता हैं। तत्पश्चात् अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व दिवस पर श्अभिनंदन अचीवर्स पुरस्कारश, श्लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कारश तथा श्अग्ररत्न सम्मानश प्राप्त इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की पूर्व प्रोफेसर कृष्णा गुप्ता के महिला सशक्तिकरण विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सशक्त महिलाओं के उदाहरण के साथ ये बताया कि किसी भी देश का विकास महिलाओं के विकास पर निर्भर करता हैं। डॉ. कृष्णा गुप्ता के अनुसार शिक्षा ही महिला सशक्तिकरण का एक शक्तिशाली माध्यम है, जिससे वह समाज के सभी वर्गों में सकारात्मक परिवर्तन एवम् उत्थान लाने में सक्षम होगी। तदुपरांत जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नीलमकांत ने अपने व्यक्तव्य में इस बात पर बल दिया कि भारत में महिला सशक्तिकरण एक लम्बी यात्रा हैं। महिलाओं ने अपने आत्मसम्मान को प्राप्त करने के लिए प्रत्येक काल में संघर्ष किया हैं और ये संघर्ष बराबरी का नहीं बल्कि अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए हैं। कार्यक्रम का संचालन शिखा वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ऐश्वर्य सिंह ने किया।तत्पश्चात् स्वयंसेविकाओं ने एलनगंज की मलिन बस्ती में श्मतदाता जागरूकताश के लिए शपथ दिलाई। इसके उपरांत विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर बच्चों के बीच पुस्तक वितरण किया गया।

कड़े अनुपालन से ही बंद होगी गंगा की गंदगी– सीआरओ

गैर सरकारी संगठनों के साथ बनाई स्वच्छता की रणनीति

प्रयागराज (आरएनएस)। पवित्र नदी गंगा को स्वच्छ व अविरल बनाने का प्रयास करने के परिप्रेक्ष्य में इण्डियन इंस्टिटच्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन नई दिल्ली द्वारा कमला ग्राम विकास संस्थान प्रयागराज के तत्वाधान में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों का क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन राज्य शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशिक्षण संस्थान में सम्पन्न हुआ। जिसकी विषयवस्तु गंगा स्वच्छता व उनकी अविरलता रही।

उक्त कार्यक्रम में बतौर अतिथि वक्ता डॉ० श्यामली सिंह ने प्रोजेक्टर के माध्यम से एक कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया। अपने प्रस्तुतिकरण में गंगा स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुये कहा कि डाल्फिन का चले जाना, पानी का रंग बदल जाना, उनके प्रवाह का धीमा हो जाना गंगा के अस्वच्छ होने का द्योतक है। इसे हम वृक्षारोपड़ व ओपेन डेफिकेशन फ्री करके बचा सकते हैं।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कुंवर पंकज मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज ने कहा कि गंगा प्रहरी यदि अपने दायित्वों का उचित निर्वहन करें तो हम गंगा किनारे पशुओं, जंगली जानवरो द्वारा फैलायी जा रही गंदगी को कम कर सकते है। विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा फैलायी जा रही गंदगी को रोकने के लिये क्षेत्रिय लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। दिनेश सिंह निदेशक सीमैट ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हम सभी सरकारी विभागों तथा स्वयंसेवी संगठनों एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स का दायित्व है कि गंगा ही नहीं वरन सभी नदियों की स्वच्छता, अविरलता बनाए रखने में सदैव तत्पर रहें।

विशिष्ट अतिथि डॉ श्लेष गौतम असिस्टेंट प्रोफेसर लॉ डिपार्टमेंट, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि युवाओं का दायित्व है कि गंगा प्रहरी के रूप में घाटों पर अपनी जिम्मेदारी स्वयं समझते हुए डट जायें। स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में अरमान युवा कल्याण समिति के अध्यक्ष चन्द्रमणि मिश्र ने अपना अनुभव शेयर करते हुए कहा कि खुले में शौच और जानवरों से फैलाई जा रही गंदगी को रोकने से ही गंगा स्वच्छ हो सकती हैं।

कार्यक्रम में स्वयंसेवी संगठनों के पदाधिकारी डॉ अनुराग सिंह, संतोष कुमार सिंह, प्रवीण सिंह,दीपक पाण्डेय, निर्मल मिश्र, राम कैलाश, विमलेश पाण्डेय, मो अनस, नीतीश शुक्ल, अनुरोध मिश्र,राणा परवीन, सुधांशु, सार्थक, अमित मुख्य रूप से उपस्थित रहे।कमला ग्राम विकास संस्थान के सचिव अजीत कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुये शपथ दिलाया गया कि हम सभी लोग अपने जीवन में से कुछ समय निकाल कर प्रत्येक दिन गंगा घाटों पर टोली बनाकर जायेंगे व अभियान चलायेंगे।

चुनावी बांड मामले में कांग्रेस का प्रदर्शन

प्रयागराज (आरएनएस)। जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने सिविल लाइन्स स्थित एसबीआई के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को बड़ी संख्या में बैंक के बाहर जुटे कांग्रेसियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के मुद्दे पर मोदी सरकार और एसबीआई के खिलाफ नारेबाजी करते हुए घेरा डालो, डेरा डालो विरोध प्रदर्शन किया। गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने कहा की इलेक्टोरल बॉन्ड चंदा दाता है उसे सुप्रीम कोर्ट सार्वजनिक करने की बात कही थी, लेकिन एसबीआई ने सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक का समय मांगा है। इस बात को लेकर कांग्रेस देशव्यापी विरोध प्रदर्शन एसबीआई के खिलाफ कर रही है। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी का कहना है कि एसबीआई बीजेपी से घूस लेकर उसे बचा रही है। पार्टी के जिला शहर कमेटी के प्रवक्ता हसीब अहमद ने बताया की राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड के विवरण पर एसबीआई केन्द्र सरकार के इशारे पर हीलाहावली कर रही है। प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष सुरेश यादव, प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी, संजय तिवारी, प्रो०रामकिशोर शास्त्री, हसीब अहमद, प्रमोद पटेल, मनोज पासी, रईस अहमद, राकेश पटेल, एतेशाम अहमद, सुनील यादव, संतोष सिंह, नरेंद्र आदिवासी, रजनीश विश्रामदास, पीयूष यादव, अनिल कुशवाहा, अभिषेक यादव, सुरेश पटेल, अफान असहर, धीरज विश्वकर्मा, विकास चौरसिया, शिवम यादव, आशुतोष मिश्रा, विनोद कुमार, नंदू पासी, शिव प्रकाश मौर्य, राम मूर्ति प्रजापति, दयाराम बिंद, नदीम अहमद, नरेंद्र यादव, सद्दाम अहमद, सुनील पांडेय, अमन मुस्तफा, भानू प्रकाश कुशवाहा, शीश अहमद, ओम प्रकाश बिंद, रवि गुप्ता, अश्वनी कुमार गौतम, गगन सिंह, दिनेश भारतीय समेत आदि लोग मौजूद रहें।

स्कूल में बना नया एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लाक खेलकूद एवं योगा रूम

प्रयागराज (आरएनएस)। राजधानी लखनऊ के सेंट्रल पब्लिक स्कूल में प्रिंसिपल ऑफिस के नए कार्यालय का शुभारंभ हुआ।

इस मौके पर प्रधानाचार्य दिव्या पांडे ने बताया कि स्कूल में बच्चों के लिए भी कई तरह के एक्टिविटी रूम और ग्राउंड तैयार कराए गए हैं। जिसमें बच्चे स्पोर्ट सशक्तिकरण के तरीके जूडो करते योग सीखेंगे और करेंगे। इस मौके पर स्कूल के संस्थापक जे एन पांडे, डायरेक्टर टी एन पांडे, अनु, देवेंद्र, पीटीआई उमेश समेत स्कूल में कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

पेपर लीक हो नहीं रहा, सरकार खुद करा रही है- अखिलेश यादव

बोले रेवती रमण सिंह से कोई नाराजगी नहीं

प्रयागराज (आरएनएस)। पेपर लीक हो नहीं रहा है बल्कि सरकार उसे लीक करा रही है। सरकार की नियत साफ नहीं है। वह नौजवानों को नौकरी ही नहीं देना चाहती। अखिलेश यादव ने कहा कि गंगा नदी साफ नहीं है और केंद्र और प्रदेश सरकार झूठा प्रचार कर रही है कि गंगा नदी साफ है। उक्त बातें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहीं। वे पार्टी के वरिष्ठ नेता के के श्रीवास्तव के पुत्र के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गुरुवार को केपी कम्युनिटी हाल पहुंचे थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए जल्द ही प्रत्याशियों की घोषणा की जाएगी। पूर्व सांसद रेवती रमन सिंह की नाराजगी की बात पर कहा कि कोई नाराजगी नहीं है। अगर कोई बात है तो उसे दूर कर लिया जाएगा। उनसे मिलने के लिए वह अलग से समय निर्धारित करके खुद आएंगे।

उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को हराने का काम आइएनडीआईए गठबंधन करेगा। गठबंधन पूरी ताकत के साथ चुनाव मैदान में उतरेगा।

गौरव और राहुल राजपाल बने जीत के नायक

रामबाबू पाल एवं मनोज यादव स्मृति प्रयागराज कप टी-20 कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता में फाफामऊ क्लब और जय सेल्स विजयी

प्रयागराज (आरएनएस)। गौरव पाठक के बहुमुखी खेल (58 रन एवं चार विकेट) के दम पर फाफामऊ क्रिकेट क्लब ने रामबाबू पाल क्लब को 73 रन और राहुल राजपाल के शतक (157 नाबाद, 63 गेंद, 11 चौके, 14 छक्के) की बदौलत जय सेल्स वॉरियर्स ने प्रयाग क्रिकेट क्लब को 129 रन से हराकर रामबाबू पाल एवं मनोज यादव स्मृति प्रयागराज कप टी–20 कैशमनी क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किये।

फाफामऊ क्रिकेट क्लब ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 212 रन (गौरव पाठक 58, अभिषेक यादव 46, अथर्व प्रजापति 43, सत्यम सिंह 3ध्34, आदित्य तिवारी 2ध्30, सुव्रत प्रसाद तिवारी 2ध्57) बनाकर रामबाबू पाल क्रिकेट क्लब को 15.3 ओवर में 139 रन (सुव्रत प्रसाद तिवारी 50, विश्वास सक्सेना 34 नाबाद, सचिन तिवारी 30, गौरव पाठक 4ध्22, दीपक यादव 3ध्28, शुभ शर्मा 2ध्28) पर समेट दिया। गौरव पाठक को एनआईएस क्रिकेट कोच कौशिक पाल ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

दूसरे मैच में जय सेल्स वॉरियर्स ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 240 रन (राहुल राजपाल 157 नाबाद, अंशुमान पाण्डेय 44 नाबाद, अभिषेक गौर 1ध्39, विपिन कुमार 1ध्49, सिद्धार्थ श्रीवास्तव 1ध्53) बनाकर प्रयाग क्रिकेट क्लब को 20 ओवर में 9 विकेट पर 111 रन (अभिषेक यादव 48, आजम हुसैन 21, सक्षम अवस्थी 4ध्25, प्रथम मिश्र 3ध्08) पर समेट दिया। राहुल राजपाल को एजीयूपी के क्रिकेटर अरविंद सिंह ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। दोनों मैच में अरुण कुमार व अभिषेक मिश्र ने अंपायरिंग एवं खुर्शीद अहमद ने स्कोरिंग की।

अन्तिम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने को मेला पुलिस तैयार

प्रयागराज। माघ मेला–2024 के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि को सकुशल व निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने हेतु आज रिजर्व पुलिस लाइन्स के मानसरोवर सभागार में पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज रमित शर्मा की अध्यक्षता में विभिन्न जनपदों से आए हुए अधिकारियों और कर्मचारियों व मेला में नियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों की ब्रीफिंग आयोजित की गई। ब्रीफिंग में उपस्थित सभी पुलिस कर्मियों को ब्रीफ करते हुये अधिकारियों द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षकध्प्रभारी माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र, पुलिस उपायुक्त यमुनानगर श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय, पुलिस उपायुक्त गंगापार अभिषेक भारतीय, पुलिस उपायुक्त यातायातध्नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला आशुतोष द्विवेदी, अपर मेलाधिकारी दयानंद प्रसाद तथा समस्त अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, इकाई प्रभारी सहित सभी कर्मचारीगण मौजूद रहे।

विद्यालय में चल रहे पैरामीटर को पूर्ण करने में करें सहयोग - सिद्धार्थ नाथ सिंह

प्रयागराज (आरएनएस)। सभासद, ग्राम प्रधान और हेड मास्टर की संयुक्त बैठक राधे गेस्ट हाउस पूरामुफ्ती में संपन्न हुई। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। उक्त बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी क्षमा शंकर पांडे, खण्ड विकास अधिकारी एडीओ पंचायत, एडीओ,सीओ ऑपरेटिव, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ भगवतपुर मसूद अहमद, अरूण श्रीवास्तव, सेक्रेटरी, सभासद, ग्राम प्रधान, भगवतपुर के समस्त प्रधान अध्यापक मौजूद रहे। एआरपी विष्णु कुमार मिश्र एवं अवनीश सिंह ने निपुण भारत मिशन अन्तर्गत चल रहे कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री, शहर पश्चिम के विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने इस संयुक्त मीटिंग को सम्बोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला व समस्त सभासदों ग्राम प्रधान से विद्यालय में चल रहे 19 और 21 पैरामीटर को पूर्ण कराने हेतु कदम से कदम मिलाकर चलने को कहा भगवतपुर के विद्यालयों को मॉडल विद्यालय के रूप में स्थापित करने एवं विकास खण्ड को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर प्रदेश में नम्बर एक का स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। खंड शिक्षा अधिकारी क्षमा शंकर पांडेय ने प्रशासनिक कार्यों के साथ–साथ एकेडमिक बिंदुओं पर चर्चा की और कायाकल्प के समस्त पैरामीटर को पूर्ण करने हेतु प्रतिबद्धता जताई। कायाकल्प संबंधित अच्छे कार्य करने वाले प्रधानों सेक्रेटरी और निपुण भारत मिशन कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने वाले विद्यालय के प्रधानाध्यापकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम रोल जिला अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, मसूद राजेंद्र कनौजिया, सुरेन्द्र का रहा, कार्यक्रम का संचालन मो0 अजमल द्वारा किया गया।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।